श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 232, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 18 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

क्रिया योग: साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

क्रियायोग
हं ★ क्षं

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

देश में 70 साल बाद 'चीता रिटर्न्स'

भारत में 7 दशक बाद चीतों की झलक: पीएम ने कूनो में चीते छोड़े, फोटो भी खींचे, मोदी बोले-ये हमारे मेहमान, कूनो को अपना घर बनाने में इनका सहयोग करें

ग्वालियर:
नई दिल्ली: भारत प्रधानमंत्री शनिवार को नरेन्द्र मोदी का 72वां जन्मदिन मनाया गया। पीएम मोदी के जन्मदिन पर देशभर में कई तरह के खास कार्यक्रम आयोजित किए गए। अपने जन्मदिन पर पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ चीतों को छोड़ा है। नामीबिया से आठ चीतों को लेकर विशेष मालवाहक विमान से ग्वालियर लाया गया। इसके बाद इन्हें चिनूक हेलीकॉप्टर से कीनो राष्ट्रीय उद्यान ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि इन आठ चीतों में पांच मादा और तीन नर हैं। नामीबिया से 'प्रोजेक्ट चीता' के हिस्से के रूप में इन्हें भारत लाया गया है। राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से आए चीता छोड़ने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि इससे भारत की प्रकृति प्रेरणा तेजी से जागृत होगी।

चीता मित्रों से संवाद करते हुए पीएम मोदी: मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो राष्ट्रीय पार्क में नामीबिया से आए 8 छीतों को छोड़ने के बाद पीएम मोदी ने चीता मित्रों से संवाद किया। इस दौरान पीएम मोदी ने चीता से जुड़ी जानकरियां इन लोगों से साझा की।

चीतों के साथ भारत की प्रकृति प्रेरणा तेजी से होगी जागृत: पीएम मोदी
इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि चीतों के साथ भारत की प्रकृति प्रेरणा तेजी से जागृत होगी। मुझे विश्वास है कि यह चीते न केवल प्रकृति के प्रति जिम्मेदारियों का बोध कराएंगे बल्कि हमारी मानवीय मूल्यों से भी अवगत कराएंगे। साथ ही कहा कि मुझे विश्वास है कि ये चीते हमें अपने मानवीय मूल्य से भी अवगत कराएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में हमने अपनी विरासत पर गर्व और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के पंच प्राणों को दोहराया है।

हम पर्यावरण के साथ कर सकते हैं विकास भी: मोदी: पीएम मोदी ने कहा कि इन चीतों का जरिए हमारे जंगल का एक बड़ा शून्य भर रहा है। हमारे यहां बच्चों को चीता के बारे में ज्यादा कुछ पता ही नहीं है। भारत में अब बच्चे चीता को अपने ही देश में देख पायेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आज हम पूरे दुनिया को संदेश दे रहे हैं कि हम पर्यावरण के साथ विकास भी कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हम पांचवी अर्थव्यवस्था भी बने हैं और पर्यावरण का संरक्षण भी कर रहे हैं।

चीतों को देखने के लिए कुछ महीनों का देना होगा समय: पीएम मोदी ने कहा कि कुनो नेशनल पार्क में इन चीतों को देखने के लिए लोगों को धैर्य दिखाना होगा और कुछ महीनों तक इंतजार करना होगा। ये चीते इस इलाके से अनजान मेहमान बनकर आए हैं। कुनो राष्ट्रीय उद्यान को अपना घर बनाने में सक्षम होने के लिए हमें इन चीतों को कुछ महीने का समय देना होगा।

चीतों के हर मूवमेंट पर एक्सपर्ट की नजर रहेगी

कूनो पालपुर अभयारण्य में नामीबिया से लाए गए चीतों के हर मूवमेंट पर वन अफसरों और एक्सपर्ट की नजर रहेगी, इसलिए चीतों को हाई फ्रिक्वेंसी कॉलर आईडी के साथ छोड़ा गया है।
8 चीतों में 2 सगे भाई भी: दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया विश्वविद्यालय में प्रो. एड्रियन ट्रोडिफ ने बताया कि भारत आए 8 चीतों में दो सगे भाई हैं। इनकी उम्र ढाई से साढ़े पांच साल के बीच है। चीते की औसत उम्र 12 साल होती है।
बड़े मांसाहारी वन्यप्राणी की दुनिया में पहली शिफ्टिंग: बड़े मांसाहारी वन्यप्राणी की शिफ्टिंग की यह दुनिया की पहली परियोजना है। जिन चीतों को पार्क के क्वारंटीन बाड़े में छोड़ा जाएगा, उन्हें लाने के लिए भारत और नामीबिया सरकार के बीच 20 जुलाई 2022 को एग्रीमेंट हुआ था।
देश में 500 चीते होंगे, तब मानेंगे री-अरेंजमेंट: एक्सपर्ट्स के अनुसार, भारत में चीतों का पुनर्व्यवस्थापन (री-अरेंजमेंट) तब माना जाएगा, जब यहां चीतों की संख्या 500 हो जाएगी। इस टारगेट को पूरा करने के लिए साउथ अफ्रीका और नामीबिया से हर साल 8 से 12 चीते भारत भेजे जाएंगे। इसके अलावा भारत में चीतों की वंश वृद्धि भी इसमें शामिल होगी। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों के आधार पर चीतों के रहन-सहन समेत अन्य मानकों का पूरा खाका बन गया है।

नए भारत में नारी शक्ति का परचम: मोदी

भोपाल: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए शनिवार को कहा कि नए भारत में पंचायत भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक नारीशक्ति का परचम लहरा रहा है। मध्य प्रदेश के श्योपुर में 'स्वयं सहायता समूह सम्मेलन' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने महिलाओं को अपनी ताकत और प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर वह अपने जन्मदिन पर मां से मिलते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। उन्होंने कहा कि आज मैं उनके पास नहीं जा सका, लेकिन आदिवासी क्षेत्रों और गांवों में कड़ी मेहनत करने वाली लाखों माताएं आज यहां मुझे आशीर्वाद दे

रही हैं। उन्होंने कहा कि ये दृश्य देखकर मेरी मां को संतोष होगा कि भले बेटा आज यहां नहीं गया, लेकिन लाखों माताओं ने आशीर्वाद दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली शताब्दी के भारत और इस शताब्दी के नए भारत में एक बहुत बड़ा अंतर हमारी नारी शक्ति के प्रतिनिधित्व के रूप में आया है। आज के नए भारत में पंचायत भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक नारीशक्ति का परचम लहरा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद से ही देश, महिलाओं की गरिमा बढ़ाने, महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान में जुटा हुआ है। शौचालय के अभाव में जो दिक्कतें आती थीं, रसोई में लकड़ी के धुएं से जो तकलीफ होती थी, वो आप अच्छी तरह जानती हैं। देश में 11 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाकर, 9 करोड़ से ज्यादा उज्जवला के गैस कनेक्शन देकर और करोड़ों परिवारों में नल से जल देकर, आपका जीवन आसान बनाया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण उन्हें समाज में भी उतना ही सशक्त करता है।

पीएम मोदी ने लांच की नेशनल लॉजिस्टिक पॉलिसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने नेशनल लॉजिस्टिक पॉलिसी को लांच किया। इस मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ये विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल लॉजिस्टिक पॉलिसी भारत में रसद पारिस्थितिकी तंत्र की दक्षता बढ़ाने के लिए एक व्यापक प्रयास है। ऐसे में नेशनल लॉजिस्टिक पॉलिसी सभी सेक्टर्स के लिए नई ऊर्जा लेकर आई है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पर जोर देते हुए कहा कि आज मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर होते भारत की गूंज हर तरफ है। भारत एक्सपोर्ट के बड़े लक्ष्य ना केवल तय कर रहा है, बल्कि उन्हें पूरे भी कर रहा है। इसके अलावा भारत मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहा है।

तेजस्वी की डिप्टी सीएम की कुर्सी भी खतरे में

पटना: बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लिए संकट खड़ा हो सकता है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की याचिका पर दिल्ली की विशेष सीबीआइ अदालत उन्हें जेल भेजने का हुक्म भी दे सकती है। इससे पहले कोर्ट ने तेजस्वी यादव को नोटिस भेजकर उनका पक्ष मांगा है। उनका पक्ष जानने के बाद ही कोर्ट सीबीआइ की याचिका पर फैसला लेगी। एएनआइ के अनुसार विशेष जज गीतांजलि गोयल ने तेजस्वी यादव को आइआरसीटीसी घोटाले के मामले में नोटिस जारी किया है।

खुलेआम पंगा लेना पड़ा भारी: तेजस्वी यादव के अलावा उनकी मां राबड़ी देवी इस मामले में वर्ष 2018 से ही जमानत पर हैं। यह मामला वर्ष 2004 से वर्ष 2009 के बीच का है, जब तेजस्वी के पिता लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री हुआ करते थे। लालू यादव पर आरोप है कि उन्होंने आइआरसीटीसी के जरिए रेलवे के दो होटलों को निजी एजेंसी को सौंपने के एवज में करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति अर्जित की है। इस मामले में सीबीआइ चार्जशीट भी समर्पित कर चुकी है। लेकिन, तेजस्वी यादव की जमानत पर कोई संकट अब तक नहीं था। दरअसल, तेजस्वी ने सीबीआइ से खुलेआम पंगा लेकर अपनी मुश्कलि खुद ही बढ़ा दी है।

बिहार में छापे के बाद दिया था बयान: दरअसल, सीबीआइ ने रेलवे से जुड़े घोटालों के मामले में पिछले दिनों बिहार में कई जगह छापे मारे थे। इस दौरान राष्ट्रीय जनता दल से जुड़े कई नेताओं के ठिकानों पर सीबीआइ ने तलाशी ली थी। इन छापों से नाराज तेजस्वी यादव ने खुले मंच से सीबीआइ अफसरों को हड़काने वाली टिप्पणी की थी। सूत्रों की मानें तो सीबीआइ ने इसी आधार पर उनकी जमानत याचिका नामंजूर करने के लिए विशेष जज से गुहार लगाई है।

जांच को प्रभावित कर सकते हैं तेजस्वी यादव: सीबीआइ ने दावा किया है कि तेजस्वी यादव अपनी ताकत का इस्तेमाल कर और सीबीआइ अफसरों को धमकाकर जांच प्रभावित कर सकते हैं। ऐसी हालत में उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। सीबीआइ ने कहा है कि तेजस्वी यादव ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। हालांकि, इस मामले में कोर्ट का विस्तृत आदेश और सीबीआइ की याचिका की प्रति हमें फिलहाल हासिल नहीं हुई है।

जमानत खारिज हुई तो डिप्टी सीएम की कुर्सी भी जाएगी: अगर कोर्ट सीबीआइ की याचिका स्वीकार करते हुए तेजस्वी यादव की जमानत को रद कर देता है, तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा। ऐसी हालत में बिहार सरकार में उप मुख्यमंत्री की उनकी कुर्सी भी संकट में है।

हैदराबाद में अमित शाह की सुरक्षा में चूक

हैदराबाद: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा में चूक हुई है। शनिवार को हैदराबाद में उनके काफिले के आगे टीआरएस नेता ने अपनी कार लगा दी। हालांकि, गृह मंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने इसे तुरंत हटवा दिया। टीआरएस नेता की पहचान गोसुला श्रीनिवास के रूप में हुई है। घटना के बाद श्रीनिवास ने कहा कि कार काफिले के आगे अचानक रुक गई थी। जब तक मैं कुछ समझ पाता, तब तक गृह मंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने उसमें तोड़फोड़ की। मैं पुलिस अधिकारी से मिलूंगा और कार्रवाई करने के लिए कहूंगा।

13 दिन में सुरक्षा चूक का दूसरा मामला: 13 दिन के भीतर अमित शाह की सुरक्षा में चूक का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 4-5 सितंबर को महाराष्ट्र दौरे पर भी शाह की सुरक्षा में चूक हुई थी। शाह के मुंबई दौरे पर एक संदिग्ध उनके इर्द-गिर्द कई घंटों तक घूमता रहा था। जब अधिकारियों को शक हुआ।

आप विधायक के करीबी का एसीबी के सामने खुलासा, कहा- उनके कहने पर पूरा लेनदेन हुआ

अमानतुल्लाह खान ने घर में रखे थे हथियार और कैश

नई दिल्ली: दिल्ली में आप विधायक अमानतुल्लाह खान के करीबी और बिजनेस पार्टनर हामिद अली खान ने पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के सूत्रों के अनुसार, हामिद ने बताया कि अमानतुल्लाह ने अपने घर में हथियार और नकदी रखी थी। सभी लेनदेन उसके कहने पर किए गए थे। हामिद को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया। इससे पहले एसीबी ने हामिद के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान एक अवैध पिस्तौल, कुछ गोलियां और

12 लाख रुपए नकद बरामद हुए।

खान पर वक्फ बोर्ड में गड़बड़ी करने का आरोप: ओखला से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को शुक्रवार को वक्फ बोर्ड से जुड़े घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया। इससे पहले उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था। शुक्रवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने उनके घर समेत 5 ठिकानों पर छापे मारे। अमानतुल्लाह के दो करीबियों के ठिकानों से 24 लाख रुपए कैश और दो पिस्टल बरामद की गई। इनमें एक पिस्टल विदेशी है, जिसका लाइसेंस नहीं है। एसीबी ने विधायक के घर के अलावा जामिया, ओखला और गफूर नगर में पांच ठिकानों पर छापेमारी की। एसीबी की कार्रवाई पर अमानतुल्लाह ने कहा कि जांच करने वाले लोग कहते हैं कि ऊपर से प्रेशर है।

'20 सपने जो मोदी ने सच कर दिखाए' से माहौल बनाएगी बीजेपी, शाह-डोभाल के हवाले से घर-घर पहुंचाएगी

2024 में मोदी की 'बापू' जैसी ब्रॉन्डिंग की तैयारी

जयपुर: किताब में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल समेत देश की 22 हस्तियों ने मोदी के 20 साल के कामों का जिक्र किया है। किताब में बताया है किस तरह मोदी ने 1500 भारतीय सैनिकों को चीनी सेना से छुड़वाया। कैसे नरेंद्र मोदी की एक चिट्ठी के बाद लोग तबाह हुए एक शहर को फिर बसाने के लिए तैयार हो गए। भाजपा इस किताब को चुनाव में जीत के लिए हथियार बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। मोदी@20 कार्यक्रम के प्रदेश समन्वयक और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी का कहना है कि जिस तरह महात्मा गांधी ने

देश के लोगों को आजादी के आंदोलन से जोड़ा, उसी तरह प्रधानमंत्री मोदी देश के विकास में आम लोगों को जोड़ रहे हैं। यही बात लेकर हम लोगों के बीच जा रहे हैं। इन सभी लोगों ने मोदी से जुड़े कई ऐसे रोचक किस्से भी लिखे हैं, जिसके बारे में किसी को जानकारी नहीं है। अब भाजपा इसी किताब को लेकर बुद्धिजीवियों के बीच जा रही है और मोदी के कामों का बढ़-चढ़कर प्रचार कर रही है। समाज के महत्वपूर्ण लोगों के बीच राजस्थान में अब तक 35 इवेंट हो चुके हैं। अब कॉलेज-यूनिवर्सिटी के युवाओं के बीच नवंबर तक कम से कम 20 इवेंट और किए जाएंगे।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर फोकस: जिस तरह महात्मा गांधी को आजादी के आंदोलन की वजह से जाना जाता है।

चीन ने गोगरा-हॉटस्प्रिंग से सेना हटाई

आर्मी पोस्ट तीन किमी पीछे शिफ्ट की, यहां भारत-चीन की सेनाएं 2020 से आमने-सामने थीं

पूर्वी लद्दाख: पूर्वी लद्दाख में चीनी सेना गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पार अपने कब्जे वाली जगह से 3 किलोमीटर पीछे हट गई हैं। यह खुलासा मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है। मई 2020 में जब दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव बढ़ा था, तब से भारत-चीन ने अपने-अपने सैनिकों को पैट्रोलिंग पॉइंट-15 के पास तैनात किया था। इसी साल 17 जुलाई को भारत और चीन के बीच कोर कमांडर स्तर की 16वें

दौर की बातचीत हुई थी। इसमें 8 सितंबर 2022 से सेनाओं के पीछे हटाने पर सहमति बनी थी। इसी के तहत दोनों देशों की सेनाओं ने योजनाबद्ध तरीके से पूर्वी लद्दाख के तनाव वाले गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स (पीपी-15) से पीछे हटना शुरू कर दिया।

खबर संक्षेप

बारिश में गरिबों का आशियाना भर भरा कर हुआ जमींदोह

करछना। विकास खंड करछना के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा निरिया गांव में बीती रात अचानक भर-भराकर कच्चा मकान का एक हिस्सा गिर गया बगल के छप्पर में सो रहे पीड़ित परिवार बाल-बाल बच गया मिली जानकारी के अनुसार करछना क्षेत्र के निरिया गांव कमला देवी पत्नी श्याम बिहारी यादव और आशा देवी पत्नी मिश्रीलाल यह दोनों परिवारों का कच्चा मकान बारिश की भेंट चढ़ गया शनिवार के रात तेज बारिश की वजह से कच्चा मकान भरभरा कर गिर गया कच्चा मकान गिर जाने से पीडित हताश व परेशान हो गया पीड़ित ने सरकारी सहायता के लिए उप जिलाधिकारी करछना को अवगत कराया और सहायता की मांग की है।

बोलेरो-ट्रैक्टर की भिड़ंत में आधा दर्जन घायल,दो गंभीर

संगम स्नान को जा रहे थे बोलेरो सवार, शिवराजपुर, छतानी पेट्रोल पंप के समीप हुआ दर्दनाक हादसा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। अतर्रा से संगम स्नान के लिए जा रहे बोलेरो सवार शिवराजपुर में सड़क हादसे का शिकार हो गए। शनिवार सुबह बोलेरो सवार लोग शिवराजपुर छतानी पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे थे, इसी दौरान उनकी बोलेरो एक ट्रैक्टर से टकरा गई, जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों को नजदीक के ही निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के मुताबिक अतर्रा, चित्रकूट के रहने वाले राजेंद्र पांडेय (55) अपनी पत्नी व चार अन्य लोगों के साथ शनिवार को सुबह संगम स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे थे। बोलेरो में चालक राजीव के अलावा राजेंद्र पांडेय की पत्नी रामप्यारी (50), राजा भैया मिश्र, सुशीला मिश्रा और हरिओम सोनी भी सवार थे। बताया जाता है कि जैसे ही सुबह बोलेरो शंकरगढ़ के शिवराजपुर के समीप छतानी पंप के समीप पहुंची, अचानक से सामने आए ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गई। इस हादसे में बोलेरो सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने निजी साधन से शिवराजपुर स्थित एक निजी अस्पताल में सभी को भर्ती करवा दिया। राजेंद्र पांडेय को फ्रैक्चर हो गया है। इसके अलावा उनकी पत्नी रामप्यारी को भी गंभीर चोटें आई हैं। जबकि राजा भैया मिश्रा, उनकी पत्नी सुशीला, हरिओम व चालक राजीव को मामूली चोटें आई हैं। बांदा राजमार्ग पर हुए इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद मुकामी पुलिस ने भी मौका मुआयना किया और घटना की जानकारी ली।

लखनऊ में बिसहिजन खुर्द गांव की बेटी का संदिग्ध दशा में मिला शव

मेजा रोड। मेजा की रहने वाले राजेंद्र गुप्ता की बेटी रुपा करीब एक साल पहले लखनऊ आई थी। यहां एक निजी कंपनी में काम करती थी। शुरूआती दिनों में पंडितखेड़ा में किराए के कमरे में रहती थी। वहीं के रहने वाले हर्षित शुक्ला से उसका प्रेम संबंध हो गया। हर्षित अक्सर उसके कमरे पर आता जाता था। जिस पर मकान मालिक ने आपत्ति जताई। इसके बाद रुपा ने मकान बदल दिया। दूसरे गंगाखेड़ा के पास उसने कमरा किराए पर लिया। जहां हर्षित भी साथ रहता था। वहां पर भी लोगों ने आपत्ति की तो गंगाखेड़ा के रहने वाले राम सिंह के गर्ल्स हास्टल में कमरा किराए पर लेकर रहने लगी।लखनऊ में कृष्णानगर के रामदासखेड़ा गांव के बाग में लगे ट्यूबेल के पास गड्ढे में शुक्रवार को युवती का शव मिला। तीन दिन पुराना शव होने के कारण काफी दुर्गंध आ रही थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला। शिनाख्त कराई तो युवती की पहचान प्रयागराज के मेजा स्थित बिसहिजन खुर्द की रहने वाली रूपा (24) के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक युवती की हत्या गला घोंटकर उसके प्रेमी ने की है। आशंका है कि हत्या तीन पहले की गई। इसी के बाद से प्रेमी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। दोनों एक साल से लिव-इन में रहते थे। पुलिस ने युवती के परिजनों को सूचना दे दी है। देर रात तक पहुंचने की संभावना हैं। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया था। पुलिस हत्यारोपी प्रेमी की तलाश कर रही है।

न्यूज झरोखा

सब्जी मंडी में बाइक चोरी करते हुए पकड़ा गया रंगे हाथों चोर, लोगों ने जमकर की पिटाई

जसरा। घूरपुर थाना क्षेत्र के नवीन मंडी स्थल जसरा में सब्जी बेचने आए किसान की बाइक को चोरी करके एक युवक ले जा रहा था। जिसे देखते ही वहां पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया और उक्त चोर को पकड़ कर सब्जी मंडी में मौजूद लोगों द्वारा जमकर पिटाई की की गई। जबकि मंडी में ही मौजूद लोगों के द्वारा 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी गई। वहीं किसान नारायण बिंद के द्वारा बताया गया कि वह पवंरी गांव का है और जसरा सब्जी मंडी में खेत में तैयार सब्जी को बेचने के लिए आया था। उसी दरमियान देखा गया कि उनकी बाइक के पास एक युवक करीब 15 मिनट से खड़ा है और जैसे ही वह थोड़ा काम में व्यस्त हुआ युवक उनकी बाइक को पैदल ले जा रहा था। जिस पर युवक को पकड़ा और शोर मचाया । मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा जब उक्त युवक से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसका नाम जितेंद्र पुत्र राजेश कुमार उम्र 20 वर्ष निवासी तातारगंज थाना घूरपुर का रहने वाला है। वहीं उसके पास से कई बाइकों की डुप्लीकेट चाभियां भी बरामद हुई। किसान की तहरीर पर उक्त चोर के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गांव का मामला पंचायत स्तर पर निपटाएं -अजीत चैहान

करछना। शनिवार को करछना क्षेत्र के खाई गांव के पंचायत भवन परिसर में पुलिस विभाग के द्वारा चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई। सीओ अजीत कुमार चौहान, थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह, चौकी प्रभारी राम बहादुर व राजस्व विभाग टीम की अगुवाई में आयोजित चौपाल में नाली, खड़ंजा, चक मार्ग, अवैध कब्जा व पट्टे की जमीन से संबंधित 50 से अधिक शिकायतें आई। जिसमें कई मामले का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। वही चौपाल में गांव के ही जीवन लाल हरिजन को मिले पट्टे की जमीन पर कब्जा नहीं मिल पाने का मामला छाया रहा। घंटों चले चौपाल खत्म होने के बाद सीओ करछना ने जीवन लाल को आवंटित पट्टे की जमीन का निरीक्षण किया। सीओ करछना ने बताया कि ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं को गांव में ही सुलझाने के उद्देश्य से चौपाल लगाई जा रही है। इससे ग्रामीणों को किसी भी मामले को लेकर चौकी ,थाने या कोर्ट का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। गांव का मामला गांव में ही समिति बनाकर उसका निदान कर दिया जाएगा। जिस मौके पर हल्का लेखपाल सुनील कुमार सिंह, कानूनगो संगम लाल, प्रधान प्रतिनिधि अजीत कुमार शर्मा, राम मोहन, मुकेश कुमार, आदि लोग मौजूद रहे।

युवती का अपहरण करने वाले तीन वांछित गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने युवती के अपहरण के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक बाल अपचारी भी शामिल है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थाने की पुलिस टीम ने युवती के अपहरण के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को टेंपो स्टैंड, कस्बा शंकरगढ़ से गिरफ्तार किया गया है।तीनों कहीं भागने की फिराक में थे। गिरफ्त में आया राजू नट पुत्र रोशन लाल (निवासी ग्राम सोनरा गड़ैया खुर्द, कौंधियारा) और असरफ पुत्र शमशेर खां (निवासी उपरोक्त) व बाल अपचारी का चालान भेज दिया गया है। तीन के खिलाफ धारा 363, 366 व 3(2)5, एससीएसटी एक्ट का केस दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर विवेक कुमार राय के अलावा कांस्टेबल बलिराम सिंह, शशिकांत यादव, इंद्रजीत यादव शामिल रहे।

देश के विकास मे हिन्दी की बिंदी का योगदान अविस्मरणीय : डा. आभा त्रिपाठी

जसरा। हिन्दी का योगदान के सामाजिक, राजनैतिक एवम आर्थिक प्रगति मे काफी बड़ा योगदान रहा हैं। देश मे व्याप्त विभिन्न कुरुतियों को खत्म करने मे हिन्दी भाषा योगदान सराहनीय एवम अविस्मरणीय रहा हैं। वर्तमान मे हिन्दी का महत्व बेशक राष्ट्र सहित विश्व के पटल पर दिनोदिन तीव्र गति से बढ़ किन्तु दुःख इस बात का वर्तमान मे युवा पीढ़ी पश्चिमी सभ्यता मे ढलकर अपनी ही भाषा को उपेक्षित कर रहें हैं जो किसी भी रूप मे समाज एवम राष्ट्र के लिए हितकारी नहीं हों सकता हैं। उक्त विषय का योगदान सदचरित्र, अनुशासन समेत अन्य बहुमूल्य गुणों के विकास मे भी रहा हैं। देश के युवाओं, विद्यार्थियों से आग्रह हैं कि हिन्दी के महत्व एवम इसके योगदान को समझें इसके साथ ही इस भाषा के उत्तरोंत्तर प्रगति मे अपना योगदान प्रदान करें। उक्त बातें सी. एम. पी. डिग्री कालेज मे हिन्दी की एसोसिएट प्रोफेसर डा. आभा त्रिपाठी नें हिन्दी भाषा की महत्ता नामक परिचर्चा मे बतौर मुख्य वक्ता के रूप बोल रहीं थी। आगे उन्होंने युवाओं से रक्तदान, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, बेटियों को पढ़ानें, बचाने एवम सम्मान प्रदान करने की दिशा मे सहयोग करने का भी आवाहन की। इस अवसर पर युवा समाजसेवी अभिषेक सिंह पटेल नें उन्हें हिन्दी के विकास पर आधारित प्रतिमा एवम पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम मे छात्र /छात्राओं सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहें।

विवाहिता को घर से भगाया, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दहेज में चार पहिया वाहन की मांग न पूरी होने पर विवाहिता को मार पीट कर घर से भगा दिया गया काफी लोगों के समझने के बाद भी ससुराल वाले नही तो विवाहिता ने थाने में तहरीर दे कर पति सहित आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है । जानकारी के अनुसार कौशांबी जनपद के चरवा गांव निवासनी महफूज अहमद की पुत्री हेमा महफूज की शादी मऊआइमा थाना क्षेत्र के बांका जलालपुर गांव निवासी मो नईम पुत्र मो हनीफ के साथ दो वर्ष पूर्व हुई थी बताया गया कि शादी के बाद से ही चार पहिया गाड़ी की मांग को लेकर दो वर्ष पूर्व मारपीट कर घर से भगा दिया गया काफी लोगो के समझाने के बाजूद ससुराली पक्ष नही माने तो विवाहिता नेहा महफूज ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर पति मो नईम, ससुर मो हनीफ, सास रासिदा बानो , ननद नौसीन, सब्बो व सबीना के खिलाफ दहेज उत्पीडन समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

भाजपाइयों ने मरीजों को फल वितरित कर मनाया प्रधानमंत्री का जन्मदिन

जसरा। शनिवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा में भाजपा कार्यकर्ताओं जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी की अगुआई में मरीजों में फल वितरण किया और केक काट कर मनाया। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश को उच्च शिखर पर ले जाने का काम किया है। जहां पर पहुंचना बड़े गर्व की बात होती है। कार्यक्रम में मंचासीन भाजपा मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष सुधीर साहू बउआ, जिला महामंत्री आदेश सिंह, डॉ तरूण पाठक, विधायक प्रतिनिधि नीरज केसरवानी, ने अपने अपने विचार रखे। किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने सभी अतिथियों व कार्यकताओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि आलोक पाठक, महामंत्री भूपेंद्र पाठक,प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा, पीयूष तिवारी, अविनाश त्रिपाठी, अंबुज त्रिपाठी, अभिषेक मौर्या, नीरज द्वेदी, छंगू द्वेदी, अनूप शुक्ल, मोहन सिंह, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहें।

भाजपा युवा मोर्चा ने रक्तदान करके मनाया पीएम का जन्मदिन

जसरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 72वें जन्मदिवस पर सेवा पखवाडा.का आयोजन भाजपा युवा मोर्चा यमुनापार के कार्यकर्ताओ ने रक्तदान करके किया। कार्यक्रम संयोजक युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधाकर पांडेय के साथ जारी बरेठिया के कनक हास्पिटल में रक्तशिविर का शुभारंभ किया। आकाश कुशवाहा और शशिकांत पहले और दूसरे डोनेटर बने। जिनका जिलाध्यक्ष ने माल्यार्पण कर स्वागत कर कहा कि युवाओ का रक्तदान आज हजारो लाखो के जान बचाने का कार्य करेगा। जिनकी शुभकामनाएं आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दीघार्यू और यशस्वी बनाऐगा। विधायक बारा डॉ. वाचस्पति भी रक्तदान शिविर मे पहुचंकर युवाओं को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया। सुधाकर पांडेय ने मेडिकल टीम सहित सभी रक्तदाताओ और कार्यकर्ताओ का आभार जताया। इस अवसर पर जिला महामंत्री राजेश शुक्ल, जिला उपाध्यक्ष अशोक पांडेय, जिला मंत्री प्रकाश शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी, मंडल अध्यक्ष कौधियारा शिवप्रसाद केसरवानी,जसरा मंडल अध्यक्ष जगत शुक्ला, विधायक प्रतिनिधी उमेश शुक्ला,नीरज केसरवानी,आलोक पाठक आदि रहे। रक्तदाताओ में जयव्रत सिंह,शिवा पाण्डेय, रवि यादव, सीपी पाण्डेय,नरेश शोनकर,रोचक मिश्रा, राजकुमार मिश्रा,रवि निषाद,दीप द्विवेदी, द्विजेश पाण्डेय, राधेश्याम पाल, पूजा बिन्द,अजय प्रकाश,रिंकू के साथ मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल आदि दर्जनो लोगो ने रक्तदान किया और निरंतर आगे भी रक्त दान चल रहा है।

शंकरगढ़: प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लगी तीन दिवसीय प्रदर्शनी

जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने किया उद्घाटन, मंदिरों में हुई पूजा-अर्चना

शंकरगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के मौके पर शनिवार को केसरवानी धर्मशाला, शंकरगढ़ में तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने उद्घाटन करते हुए कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम भारत को वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाने वाले प्रधानमंत्री का जन्मदिन मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार किया। उनकी अगुवाई में हमारा देश हर मोर्चे पर तरक्की कर रहा है। कार्यक्रम संयोजक व जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी ने बताया कि केसरवानी धर्मशाला में आयोजित प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन और उनके द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी गई है। यह प्रदर्शनी तीन दिन तक चलेगी। प्रदर्शनी का समापन 19 सितंबर को किया जाएगा।

इस दौरान जिलाध्यक्ष की अगुवाई में भाजपाइयों ने केक काटा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना की गई। इस दौरान स्थानीय मंदिरों में पूजा कर प्रसाद भी चढ़ाया गया। प्रदर्शनी के शुभारंभ मौके पर ब्लाक प्रमुख निर्मला देवी, नगर पंचायत शंकरगढ़ के चेयरमैन लल्लू कनौजिया, श्याम मिश्रा, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष यमुनापार कुशल जैन,अश्विनी सिंह, शिवराम सिंह परिहार, गोपाल दास गुप्ता, रामखेलावन गुप्ता, चतुर्भुज दास गुप्ता,मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद गुप्ता, महामंत्री रतन केसरवानी, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष ब्रजेश सिंह,सभासद सुधा गुप्ता,सुजीत केसरवानी, समाज सेवी रोहित केसरवानी, मीडिया प्रभारी दिलीप चतुवेर्दी, संदीप सिंह,प्रवीण सिंह पटेल, सोमनाथ वर्मा, डॉ प्रमोद रंजन, उमा वर्मा, सतीश विश्वकर्मा, राजेश केसरवानी, नरेंद्र गुप्ता, डॉक्टर प्रेमचंद केसरवानी, नितेश केसरवानी समेत तमाम कस्बावासी मौजूद रहे।

शिविर लगाकर पार्टी कार्यकताओं ने किया रक्तदान

सहसों। युवा और स्वस्थ व्यक्ति के लिए रक्तदान से कोई हानि नहीं होता है। आज का रक्तदाता कल प्राप्त करता भी हो सकता है। यह संदेश प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर आयोजित भारतीय जनता पार्टी गंगापार के नेतृत्व मे फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल एवं युवा मोर्चा गंगापार द्वारा संचालित रक्तदान शिविर जी सिंह लाँ कालेज कसेरूआ खुर्द सहसों मे युवाओं के उत्साह वर्धन में दीपक पटेल पूर्व विधायक ने कहा। शिविर का उद्घाटन जिला अध्यक्ष अश्विनी कुमार द्विवेदी ने सर्व प्रथम पं.दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। और पीएम नरेन्द्र मोदी की प्रतिमा के समक्ष सवा ग्यारह किलो का केक काटा गया। सर्वप्रथम रक्तदान जिला सहसंयोजक अजय कुमार शुक्ला , पूर्व विधायक दीपक पटेल ने देकर शुभारंभ किया। रक्तदान में जिला महामंत्री मनोज निषाद, मण्डल अध्यक्ष समरजीत मौर्य, मण्डल अध्यक्ष सहसों युवा मोर्चा मुकेश द्विवेदी, जिला मंत्री युवा मोर्चा महेंद्र कुमार तिवारी ने रक्तदान किया। जिला मिडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि गंगापार जिले में दो स्थान पर प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ है। दूसरा रक्तदान शिविर हण्डिया पी.जी.कालेज मे जिला पंचायत अध्यक्ष कुँवर बी.के.सिंह एंव सांसद रमेश विन्द जी द्वारा आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में विधायक प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, जिला महामंत्री कविता पटेल, जिला उपाध्यक्ष किरन त्रिवेदी, जिला मंत्री सन्तोष शुक्ल, महेश पाण्डेय, जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ रमेश कुमार द्विवेदी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल, राजधर द्विवेदी, अनिल कुमार सरोज, पवन कुमार शुक्ला सहित सैकडों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम के जन्मदिन पर दिव्यांग जनों में बांटे गए इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल

सहसों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा सप्ताह पखवाड़ा के दौरान शांति महाविद्यालय बगई कला में साठ दिव्यांगजन को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण मुख्य अतिथि सांसद केसरी देवी पटेल एवं विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केसरी देवी पटेल ने कहा समाज में सम्मान के साथ सभी को आगे बढ़ने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। विधायक प्रवीण पटेल ने कहा सरकार समाज के असहाय गरीब एवं सभी वर्ग के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित कराकर समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। ग्राम प्रधान बगई कला प्रताप बहादुर सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया संचालन राजेंद्र सिंह पटेल ने किया। मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों ने पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख गीता सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी भाजपा नेता राकेश बहादुर सिंह ,भूमि विकास बैंक फूलपुर के अध्यक्ष एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह, नंदकिशोर जिला विकलांग अधिकारी, शुभम श्रीवास्तव एसडीएम फूलपुर, मनोज कुमार सिंह खंड विकास अधिकारी, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , संदीप द्विवेदी आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में सांसद केसरी देवी पटेल ने नवीनीकृत पंचायत भवन का फीता काटकर उद्घाटन भी किया।

गरीबों को फल बांटकर मनाया पीएम का जन्मदिन

घूरपुर। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला यमुनापार के जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा के तहत गरीब बस्ती मे फल वितरण कर जन्म दिन मनाया। क्षेत्र के घूरपुर, करमा, जसरा, बसवार , इरादतगंज सहित नारीबारी, चाका इलाके के कई गांवों के स्कूलों और गरीब बस्तियों में फल वितरण कर प्रधानमंत्री का जन्म दिन मनाकर चिरंजीवी होने और स्वास्थ्य की मंगल कामना की। मुख्य अथिति अश्वनी कुमार पटेल क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा काशी क्षेत्र सहित मंडल अध्यक्ष अतर सिंह कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष सुधाकर सिंह, प्रधान भारत निषाद, मंडल अध्यक्ष किशन कुमार बिन्द, संदीप निषाद,शिव शंकर गुप्ता,जिला महामंत्री आशीष पाल,अंगद सिंह प्रदेश सदस्य,शिवशंकर गुप्ता,मुकेश निषाद,सुनील पटेल,संदीप निषाद,चंदू निषाद,नन्हे निषाद,शिवम बाबा, सुजीत,विकास गुप्ता,दिलीप गुप्ता,आदि भाजपाई शामिल रहे।

चारा व पानी के लिए गौशालाओं में तड़प रहे मवेशी

लाखों रुपए खर्च के बाद भी नहीं मिल रहा हरा चारा, चुनी चोकर, पुआल की कुट्टी के सहारे पशु, पसना में गुठने भर कीचड़ में दिया जा रहा भूसा, दर्जन भर बीमार पड़े हैं मवेशी

मो. गौस

रत्योरा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आवारा गौवंशो के संरक्षण व संवर्धन तथा उनकी देखभाल के लिए स्थाई व अस्थाई गौशालाएं खोलवा कर उन्हें समय-समय पर चारा भूसा व पानी तथा हरा चारा एवं चुनी चोकर देने हेतु भले ही सख्त निर्देश दिए हो किंतु जमीनी हकीकत कुछ अलग ही बयां कर रही है। विभागीय उदासीनता व लूट खसोट तथा खाऊ कमाऊ नीति के आगे स्थाई व अस्थाई गौशालाओं में रह रहे मवेशियों की हालत दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। ज्ञातव्य हो कि विकासखंड कोरांव में एक स्थाई व 16 अस्थाई गौशालाएं संचालित हो रही हैं। इन सभी गौशालाओं में कागदी आंकड़ों पर गौर करें तो 2860 मवेशी रखे गए हैं। शुक्रवार को स्थाई गौशाला लतीफपुर व अस्थाई गौशाला पसना एवं कपुरी का निरीक्षण किया गया। जहां पसना और कपुरी की गौशाला में ताला बंद मिला। पशुओं की देखभाल करने वाला कोई व्यक्ति गौशाला में मौजूद नहीं रहा। इसी प्रकार स्थाई गौशाला लतीफपुर में पशुओं की देखभाल करने के लिए कुल 11 व्यक्ति रखे गए हैं इन 11 व्यक्तियों में महज एक ही व्यक्ति के सहारे गौशाला संचालित होते पाई गई। पसना में चार तो कपुरी में तीन गौपालक रखे गए हैं। पशु चिकित्साधिकारी कोराव सालिकराम ने बताया कि लतीफपुर की गौशाला में 458 मवेशी है जबकि मौके पर मवेशियों की संख्या कम दिखी। पसना में कुल 188 मवेशी होने की बात बताई गई। गणना के दौरान महज 125 मवेशी ही पाए गए। इसी प्रकार कपुरी बढ़ैया की गौशाला में कुल 220 मवेशी बताए गए गणना के दौरान 18 मवेशी कम मिले। उपरोक्त तीनों गौशालाओं में से किसी भी गौशाला में हरा चारा चुनी चोकर पशु आहार व नमक नहीं पाया गया। इतना ही नहीं कपुरी बढ़ैया के गौशाला के टैंक में पानी भी नहीं था। मवेशी पानी पीने हेतु टैंक की ओर लटक रहे थे किंतु काफी नीचे होने के कारण पानी उन्हें नहीं मिल पा रहा था। के दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वरुण कुशवाहा ने बताया कि पिछले 15-20 दिनों से सोलर पंप जल गया है। जिसे वापसी के लिए भेजा गया है। जिससे पशुओं को पीने के पानी की दिक्कत हो रही है। येन केन प्रकारेण काफी दूर से पाइप जोड़कर पानी लाया जाता है।

पसना व कपुरी बढ़ैया के गौशाला में बीमार पड़े हैं मवेशी

पसना गौशाला की हालत बद से बदतर देखी गई। गुठने व कीचड़ में मवेशियों को भूसा दिया जा रहा है। साफ सफाई के अभाव में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। दर्जनभर मवेशी पसना गौशाला में बीमार पड़े हैं। जो अपने से उठ तक नहीं पा रहे हैं। उन्हें कीचड़ में ही भूसा दे दिया जा रहा है। गौशाला में रहने वाले अन्य मवेशी कीचड़ में रखे गए भूसे को कीचड़ में ही तब्दील कर देते हैं। जिससे बीमार मवेशियों की हालत दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। इसी प्रकार कपुरी बढ़ैया के गौशाला में दो मवेशी अत्यंत बीमार पाए गए। थोड़ी देर बाद पहुंचे गोपालक ने उठाने की कोशिश की किंतु बीमार पशु उठ नहीं सका। कपुरी बढ़ैया के चरही में व्यापक गंदगी पाई गई। चरही में मवेशियों का गोबर पड़ा रहा, उसी में भूसा डाल दिया जाता है। जिससे मवेशी उसे खाते भी नहीं है और भूसा गोबर दोनों खराब होता है। इसी प्रकार पसना की गौशाला में तो गंदगी का अंबार पाया गया।

गौशालाओं में रह रहे आधे मवेशियों को नहीं लगाया गया है टैग

स्थाई गौशाला लतीफपुर हो या अस्थाई गौशाला कपुरी बढ़ैया अथवा पसना तीनों गौशालाओं में रह रहे मवेशियों में आधे मवेशियों को अभी तक टैग भी नहीं लगाया गया है। जिम्मेदार किस आधार पर पशुओं की गणना कर रहे हैं। अपने कागजी घोड़े को कैसे तैयार कर रहे हैं। यह भी सवालिया निशान लगा रहा है। जिन पशुओं को टैग नहीं लगाया गया है वह भी कागजों पर दर्ज हैं। जब इस बाबत कपुरी बढ़ैया के गौशाला में पहुंचे पशुपालक दिलीप कुमार से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि डॉक्टर साहब पिछले कई दिनों से आने की बात कह रहे हैं, किंतु आते नहीं हैं जिससे पूरे मवेशियों को टैग नहीं लग पाया है। पशु चिकित्साधिकारी कोरांव डॉ शालिकराम से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मवेशियों की संख्या कम ज्यादा होती रहती है। कभी बाहर निकल जाते हैं कभी चले आते हैं। जब यह पूछा गया कि गौशालाओं में रह रहे आधे मवेशियों को टैग नहीं लगाया गया है तो उन्होंने कहा कि अभी बारिश हो रही है कीचड़ की वजह से मवेशियों को टैग नहीं लगाया जा सका है। इसी क्रम में ग्रामीणों ने बताया कि गौशालाओं में दो-चार मवेशी ज्यादा रखे रहते हैं। गौशालाओं में रह रहे पशुओं के मर जाने पर जंगल में घूम रहे आवारा मवेशियों को मृत मवेशियों को फेंक कर अंदर कर लिया जाता है। जिससे पशुओं की संख्या बराबर चलती रहती है। पशुशालाओं में चल रही अनियमितताओं के बारे में बीडीओ कोरांव मुकेश कुमार से जानकारी चाही किंतु उनसे संपर्क नहीं हो सका।

खबर संक्षेप

सत्ता में पहुंचने की पहली सीढ़ी निकाय चुनाव में बढ़-चढ़ कर भाग लें वैश्य : मीना

नैनी। अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा की इकाई उत्तर प्रदेश ने वैश्य समाज से आग्रह किया है। निकाय चुनाव सत्ता के लिए निर्णायक समय पर हो रहे हैं। इस पर वैश्यों को ध्यान केन्द्रित करना होगा तभी सत्ता में भागीदारी मिलने आसानी होगी। जायसवाल सहित पिछड़े वैश्यों के साथ मिलकर सत्ता में भागीदारी के लिए मुहिम शुरू किया गया है। वैश्य समाज का हक भी बनता है। अभी से कुछ भाजपा वालों की बेचैनी बढ़ती जा रही है जबकि हक लेने की शुरूआत हुई है। इसे अंजाम तक महासभा पहुंचायेगी। उक्त बयान प्रभारी उत्तर प्रदेश महिला शाखा मीना जायसवाल ने दी है। उन्होंने कहा कि हिन्दू-मुस्लिम फसादों से दूर रहें क्योंकि दंगा-फसाद से अधिकतर वैश्य बन्धुओं का नुकसान होता है।

प्रयागराज में 1100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे कर रहे जिले की निगरानी

योगी सरकार की मेहनत ला रही रंग,चार साल में 30 सड़कों को किया स्मार्ट, चार नए फ्लाईओवर और 8 अंडरपास तैयार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज स्मार्ट सिटी में शामिल है। शहर को स्मार्ट बनाने के लिए अब तक 4 साल में 529 करोड़ रुपए खर्च हो गए हैं। 2014 में केंद्र की भाजपा सरकार बनने के बाद 24 जून 2017 को तीसरे चरण में प्रयागराज शहर का चयन स्मार्ट सिटी के लिए किया गया था। इसके बाद 2019 के दिव्य और भव्य कुंभ मेले को लेकर शहर को सजाने की तैयारी शुरू हुई। बीते 4 सालों में जहां 30 सड़कों को स्मार्ट किया गया है। वहीं, चार नए फ्लाईओवर और 8 अंडरपास बनाए गए हैं। इसके साथ ही जिले में लगभग 1100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और बड़ी संख्या में पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम लगाए गए हैं।

प्रयागराज जिले में सीसीटीवी कैमरों की संख्या काफी अधिक है। कई रोड चौराहे व अधिकांश प्रतिष्ठानों पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्मार्ट सिटी के तहत अब तक शहर भर में लगभग 1100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। जिनके माध्यम से मुख्य मार्गो व संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा और निगरानी रखी जा रही है। इन कैमरों की मदद से आपराधिक घटनाओं को ट्रेस करने में पुलिस को भी मदद मिलती है। इन हाई एंड रिजोल्यूशन कैमरों से पुलिस का निगरानी तंत्र बहुत मजबूत हो गया है। वहीं, आपराधिक घटनाओं पर भी लगाम लगाने में पुलिस को आसानी हो गई है। प्रयागराज में सिटी सर्विलांस सिस्टम के तहत 1100 से अधिक कैमरे अलग-अलग स्थानों पर लगाए गए हैं। यह सभी कैमरे आईट्रिपलसी से कनेक्ट हैं। इनका इस्तेमाल ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के लिए किया जाता है। प्रयागराज के एसपी क्राइम सतीश चंद्र का कहना है कि जिले में अलग-अलग जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे से क्राइम कंट्रोल करने मे काफी सहूलियत मिलती है। वाहन चोरी की घटना हो, छेड़छाड़ की हो, मारपीट हो या अन्य आपराधिक संबंधित घटना हो सीसीटीवी लगने से हर तरीके से आम जनता के साथ साथ पुलिस को मदद मिली है। जिले की अधिकतर घटनाओं के वर्कआउट में इन सीसीटीवी कैमरो का अहम योगदान रहा है । जिले की कई घटनाएं ऐसी हुई हैं जिनमें सीसीटीवी की मदद ली गई है और अपराधी तक पहुंचा गया है । एसपी क्राइम सतीश चंद्र का यह भी कहना है कि, स्मार्ट सिटी के तहत लगे सभी कैमरे की क्वालिटी काफी बेहतर है। सभी कैमरे हाई रेंज रेजोल्यूशन के हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत जल्द उन जगहों पर भी कैमरे लगाए जाएंगे जो स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत अभी बचे हुए हैं । इसके अलावा 35 से अधिक (एटीसीएस) एडाप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को भी लगाया गया जिससे ट्रैफिक कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। इसके लगने से रोड एक्सीडेंट में काफी कमी आई है ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलने में यह बड़ी मदद करता है। आम जनता भी स्मार्ट सिटी के तहत लगाए गए 11 सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरे की जमकर सराहना कर रही है । मुट्ठीगंज के रहने वाले अखिलेश केसरवानी का कहना है कि चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के कई फायदे हैं। चालान होने के डर से कोई ट्रैफिक नियम का उल्लंघन नहीं करेगा साथ ही ट्रैफिक जाम की भी समस्या कम हुई है। नैनी के गुरुनानक नगर की रहने वाली जागृति खुराना का कहना है कि महिलाओं को भी काफी लाभ हुआ है पहले ट्रैफिक सिग्नल पर चेन स्नेचिंग की घटनाएं होने का डर लगा रहता था लेकिन अब जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे होने के चलते इसका भय भी खत्म हो गया है।

न्यूज झरोखा

पर्यावरण एवं जल संरक्षण को पेड़ जरूरी है

झूंसी। क्षेत्र के बजहा ग्राम सभा में पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिस में उपस्थित लोगों ने वृक्ष लगाकर उनके संरक्षण की शपथ ली। ग्राम प्रधान सरोज सिंह वृक्ष लगाकर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए पेड़ बहुत जरूरी है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को शपथ दिलाई की जो पेड़ हम लगाये है उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी हमारी है। पर्यावरण एवं जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश होमगार्ड की ओर से आयोजित किया गया था। जिसमें कंपनी बीओ बहादुरपुर नीतू राय, ग्राम पंचायत अधिकारी पंकज सिंह, प्रधान प्रतिनिधि राजेश सिंह, राधेश्याम, विनोद कुमार शुक्ला, शिव शंकर राव, विनय कुमार, अरविंद कुमार आदि उपस्थित रहे।

लालापुर में धूमधाम से मनायी गयी विश्वकर्मा जयंती

लालापुर। क्षेत्र के पंडुवा गांव स्थित कमला पंप कैनाल एवं कमला पंप विद्युत उपकेन्द्र पंडुवा में जेई ओपी गुप्ता,अजीत सिंह, धर्मदास,मनीष कुमार व अरविंद सिंह ने भगवान विश्वकर्मा का पूजन अर्चन कर प्रसाद वितरण किया गया।इस मौके पर अमित मिश्र,संजय सिंह, सीपी विश्वकर्मा,पंकज गुप्ता,खुरसीद आलम, इफराक हुसैन,मनोज कुमार मौजूद रहे।उधर विद्युत उपकेंद्र लालापुर अभय पाठक ने विद्युत उपकेंद्र लालापुर में पूजा अर्चना किया।इस मौके पर अतुल तिवारी,ध्रुवप्रकाश द्विवेदी उर्फ लल्ला महराज,सुल्तान खान,विकाश मिश्र,हरिलाल,जगदीश प्रसाद ,धर्मेंद्र कुमार,मोनू तिवारी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

के.वी.के. शुआट्स में पोषण माह दिवस मनाया गया

नैनी। शुआट्स द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रयागराज के सभागार में पोषण अभियान 2022 एंव कृषक गोष्ठी के तहत पोषण माह दिवस मनाया गया। पोस्टर प्रदर्शनी प्रगतिशील महिलाओं द्वारा लगाये गये स्टाल का निरिक्षण करते हुऐ मुख्य अतिथि हेड के.वी.के. डा0 एस0डी0 मेकार्टी ने दीप प्रजवलीत कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होनें महिलाओं को पोषण बगीचा के बारे में जानकारी दी। महिलाओं के उत्थान के लिये चलाये जा रहे अपने विभाग के सरकारी योजनाओं के बारे बताया। इफको के निखिल द्विवेदी ने बताया इफको विश्व में सहकारिता की सबसे बडी संस्था है। इफको किसान संचार के द्वारा किसान को मैसेज उपलब्ध कराता है। वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) श्रीमति निमिषा नटराजन ने बताया महिलाओं को एक दिन में शरीर में कितनी कैलोरी की आवश्यकता होती है जो कि काबोर्हाइड्रेड वसा प्रोटीन से लेते है एंव स्वस्थ भोजन का महत्व बताया।

विधि विधान से पूजे गए देव शिल्पी विश्वकर्मा भगवान

करछना। शनिवार को करछना क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख बाजार व घरों में देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर मुहूर्त के अनुसार विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया। क्षेत्र के कटका, करछना, कौवा, बसही, पचदेवरा, वीरपुर सहित विभिन्न बाजारों में विश्वकर्मा भगवान की पूजा को लेकर लोगों में खासा उत्साह रहा। कटका बाजार स्थित अभय बिल्डिंग शॉप पर अभय निषाद ने देव शिल्पी विश्वकर्मा भगवान की पूजा की। जिसके बाद हरि कीर्तन व हवन पूजन कर प्रसाद वितरण किया गया। जिस मौके पर अंतिम निषाद, मुकेश पटेल, संजय निषाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा की जयंती

झूंसी। विश्व के निर्माता भगवान विश्वकर्मा जयंती क्षेत्र में धूम धाम से मनाई गई। विभिन्न फैक्ट्रियों, लोहे आदि की दुकानों, वर्कशॉप, स्कूलों के अलावा घरों में भी मशीनों की पूजा अर्चना की गई। सरायतकी स्थित सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में भगवान विश्वकमार्जी प्राकट्य दिवस हर्षो उल्लास और विधि विधान के साथ पूजन करके मनाया गया। प्रार्थना के बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने विश्वकर्मा जयंती पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा दुनिया के पहले इंजिनियर है। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य राम सिंह यादव और विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक शशांक त्रिपाठी ने विद्यालय में प्रयुक्त होने वाले सभी कंप्यूटर उपकरण और प्रयोगशाला के अंतर्गत प्रयोग होने वाले भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के सभी उपकरणों की सभी विषय अध्यापक और विद्यार्थियों के साथ पूजन वंदन किया और सभी विद्यार्थियों में प्रसाद वितरण किया।

हवन पूजन व रक्तदान कर मनाया पीएम का जन्मदिन

झूंसी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन शनिवार को भाजपाइयों ने उल्लास के साथ मनाया कहीं हवन पूजन कर उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीघार्यु की कामना की गई तो कहीं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत उपाध्याय के नेतृत्व में परशुराम अखाड़ा में हवन पूजन का आयोजन किया गया। सुदर्शन महाराज विधि विधान से पूजा अर्चना की जिसके बाद उपस्थित कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी। वही युवा मोर्चा द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में सांसद फूलपुर केसरी देवी, विधायक प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व विधायक दीपक पटेल जिला अध्यक्ष अश्विनी द्विवेदी, जीतलाल त्रिपाठी आदि लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला महामंत्री मनोज निषाद, धनंजय मिश्र सहित दर्जनों कार्यकर्ताओ ने रक्तदान किया।

खीरी दहेज हत्याकांड के दो आरोपी और हुए गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

कोरांव। तहसील कोरांव के खीरी थाना क्षेत्र ग्राम पनासी पटेहरा खीरी में एक नव विवाहिता की गत दिवस दिन दहाड़े गला कस कर हत्या करने वाले कुल छ आरोपियों में से बाकी बचे तीन में से दो मुलजिम नामजद को उप पुलिस अधीक्षक मेजा विवेचना अधिकारी के निर्देश पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बता दें कि उक्त गांव पनासी में ब्याही पिछले वर्ष आरती पुत्री जगपति प्रसाद ग्राम मझिगवा पवारी को दहेज कम मिलने के उलाहना में पति रामबाबू और भाभी ने गला कस कर हत्या करते हुए धोती के फंदे से लटका दिया था। जिसमें पति रामबाबू,जेठ शिवबाबू, ससुर बृजलाल, सास सावित्री देवीऔर जेठानी तथा हत्या अभियुक्तों के एक खजुरी कोरांव के रिश्तेदार सहित कुल छ लोग नामजद हुए हैं। जिसमें तीन लोग पति सास ससुर तत्काल 14 सितंबर को ही गिरफ्तार कर लिए गये थे। उक्त घटना के शेष आरोपी शिव बाबू और उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी को पुलिस ने लालतारा चौराहे के निकट भागते समय 17 सितंबर 2022 को समय करीब 11बज कर 40 मिनट पर गिरफ्तार कर लिया। और खीरी थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 242/2022 धारा 498ए,304 बी और डीपी एक्ट धारा 3/4 धारा 506आईपीसी के तहत जेल भेज दिया। सेस मुलजिम विजय कुमार निवासी ग्राम खजुरी थाना कोराव जिसने कथित रूप से मुंबई से मृतका के भाई हरिशंकर वादी मुकद्दमा को केस न दर्ज कराने और तरह तरह की धमकियां दी थी इनकी गिरफ्तारी शेष रह गई है। इस संबंध में सीओ मेजा राजेश मिश्रा विवेचक ने बताया कि मृतका की गला दबा कर हत्या करने और फंदा लगा कर लटकाने की घटना में पोस्ट मार्टम के बाद गले से कस कर लटकने के कारण हुई मौत की पुष्टि हो गई है,किसी भी दोषी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। इसी प्रकार थाना प्रभारी अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि मृतका के ससुराल वालों को उक्त घटना को अंजाम दिए जाने की सजा भुगतनी होगी। चर्चा है कि ससुराल वाले चाहते तो उक्त नव विवाहिता मृतका आरती बीस वर्ष की जान बच सकती थी। मरने के पूर्व मृतका ने मायके फोन पर बताया था कि मेरे पति और भाभी मुझसे नाराज काफी हैं। मुझे जान से मारने की योजना बना रहे हैं। किंतु उसी बीच हत्या कर दी गई और आत्महत्या का रूप देने के लिए मृतका के गले में धोती का फंदा डाल दिया गया।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा कौशल दीक्षांत समारोह आयोजित

नैनी। जन शिक्षण संस्थान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा शनिवार को नैनी के बृजराज सिंह महिला कॉलेज में कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य थे जबकि विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश अपीलीय अथॉरिटी मनरेगा के पूर्व चेयरमैन डॉक्टर बी शर्मा थे। विधायक ने जन शिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण लेने वाली छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती में महिलाओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने जिला उद्योग केंद्र से महिलाओं को ऋण दिलाने में मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया। जन शिक्षण संस्थान की निदेशक श्रीमती प्रियंका सिंह ने संस्थान द्वारा महिलाओं को दिए जा रहे हैं प्रशिक्षण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। संचालिका जूही सक्सेना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक नरेंद्र शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता साध्वी कृष्णा प्रिया, बृजराज सिंह कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रेमपाल सिंह, रवि शर्मा, सत्येंद्र सिंह, राजाराम शिशुपाल, अंकित, अनुदेशिका पुष्पा सिंह, आकांक्षा, नीतू, ममता, सुमन, रंजना, रूपा, पार्वती, सहित अंजना पाठक, सरिता सेन, सपना प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

अस्पृश्यता मुक्त भारत निर्माण के लिये 24 को आवाज बुलंद करेगा दलित समाज

प्रयागराज। 16 सितम्बर, पूर्वांचल दलित अधिकार मंच (पदम) के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज का कहना है कि देश में जातिवादी सोच मिटाकर, समतामूलक समाज का निर्माण करने का काम करने, जातिवाद, भेदभाव छुआछूत मुक्त भारत निर्माण की साझी लड़ाई को प्रयागराज में पूर्वांचल दलित अधिकार मंच (पदम) महिलाओं के नेतृत्व में एक अभियान के तहत गांव गांव जाकर संविधान प्रदत्त अधिकारों के विषय मे जागरूक कर रहा है। पूर्वांचल दलित अधिकार मंच छुआछूत, जातिवाद, भेदभाव व अस्पृश्यता मुक्त भारत निर्माण के साथ साथ स्थाई रूप से जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के लिये दलित समाज को एकजुट किया जा रहा है। उद्योगों के साथ भूमि का राष्ट्रीयकरण तथा भूमि सुधार के अंतर्गत भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को भूमि आवंटन कराने के संबंध में 24 सितम्बर को सिविल लाइन स्थित धरना प्रदर्शन स्थल पर आयोजित प्रदर्शन की तैयारी हेतु शुक्रवार को बारा तहसील के अंतर्गत आने वाले विकास खण्ड कौंधियारा की ग्रामसभा चामू में महिलाओं के नेतृत्व में रैली आयोजित की गई। पूर्वांचल दलित अधिकार मंच (पदम) के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि संविधान शिल्पी डॉक्टर अम्बेडकर के निदेर्शानुसार यदि कृषि और उद्योगों का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाए तो देश मे उक्त दोनों उत्पादन के साधनों से उत्पादन बढ़ेगा। वैसे उक्त दोनों उत्पादन के संसाधनों का मालिक राज्य है और संविधान के नीति निर्देशक योजना के अनुसार भी जमीनों का आवंटन मूलभूत भूमि सुधार लंबे समय से लंबित है। उत्तर प्रदेश भर में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के भूमिहीन खेतिहर मजदूरों की दयनीय दशा बढ़ गई है। भूमिहीनों के पास पास उत्पादन का साधन तथा बेरोजगारी मिटाने का कोई उपाय नहीं है। ऐसी स्थिति में भूमि सुधार के तहत सूबे स्तर पर ग्रामसभा की ऊसर, बंजर, परती व सरकारी तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा क्रय की गई भूमि व सीलिंग से घोषित अतिरिक्त तथा बेनामी जमीनों को अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में आवंटित करने की सख्त जरूरत है। यह काम सरकारी स्तर से बहुत लंबे समय से लंबित है। आज की इस बैठक में उदय भान, कन्हैया लाल, इंद्रजीत, अनिल, नीरज, पिन्टू कुमार, संजय वर्मा, बृजेश प्रधान, राधेश्याम, संगीता तिवारी, राधा सिंह, विजय लक्ष्मी, खुशबू, रामपति, गेंदाकाली आदि पचासों लोग उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 175 शिकायतें मिली,नौ का मौके पर निस्तारण

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के क्रम में मेजा तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस पर आए लोगों की शिकायतें एडीएम सिविल सप्लाई मार्कण्डेय सिंह की अध्यक्षता में उपजिलाधिकारी व अधिकारियों द्वारा सुनी गईं। इस दौरान आए कुल 175 मामलों में राजस्व से संबंधित 9 का निस्तारण करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों के मौके पर तलब कर निस्तारण करने के निर्देश दिए।विभिन्न विभागों से आए मामलों में राजस्व से 75,पुलिस से 48,विकास से 17,समाज कल्याण से 1 और अन्य से 34 मामले रहे। इस अवसर पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य तहसील स्तर के अधिकारी मौजूद रहे। 175 शिकायतें दर्ज की गई, जिसमें से राजस्व से संबंधित सर्वाधिक शिकायतों का विभागीय अधिकारियों द्वारा निष्पादन करने के लिए निर्देशित किया। वहीं अन्य मामलों से संबंधित लोगों को आश्वासन दिया गया है कि जल्द से जल्द उनकी समस्याओं का निस्तारण कर दिया जाएगा। इस दौरान बीडीओ मेजा सईद अहमद , एडीओ (पंचायत) मेजा रमाकांत पांडेय, समाज कल्याण अधिकारी उरुवा सुशांतु पांडेय, मेजा,मांडा व खीरी थानों से संबंधित उप निरीक्षक समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तहसील समाधान दिवस में कुल 185 मामले अंकित, छ : मामलों का हुआ निस्तारण

कोरांव। तहसील कोराव सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 185 मामलों में से छ मामले निस्तारित हुए। सबसे ज्यादा मामले हमेशा की तरह राजस्व विभाग के कुल अकेले 72 मामले आए। समाधान दिवस में राजस्व विभाग के निस्तारित होने के बाद 72 मामले,पुलिस गृह विभाग के 22,विकास विभाग के 24,शिक्षा विभाग,समाज कल्याण,श्रम विभाग आदि के कुल 61मामले अंकित हुए। समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी कोरांव योगेंद्र सिंह,तहसीलदार कोरांव वर्मा,बीडीओ मुकेश कुमार, सीओ मेजा राजेश मिश्रा,इंस्पेक्टर कोराव धीरेंद्र सिंह,इंस्पेक्टर खीरी अनिल कुमार वर्मा,आदि कई विभाग के अफसर कर्मी मौजूद रहे।

समाधान दिवस में आई 108 शिकायतें एक का भी मौके पर नहीं हुआ निस्तारण

करछना। माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस अब मजाक बनकर रह गया है। बार-बार समाधान दिवस का चक्कर काटने वाले फरियादियों की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। जिससे क्षेत्र से आने वाले फरियादीयों में मायूस है। शनिवार को करछना तहसील सभागार में एसडीएम रेनू सिंह,अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 108 शिकायतें पत्र आए, लेकिन मौके पर एक भी समस्या का समाधान नहीं हो सका। जिससे फरियादियों को निराश ही लौटना पड़ा। संपूर्ण समाधान दिवस पर गांव के कुछ दबंगों द्वारा जमीन पर खेती न करने देने को दर्जनों बार संपूर्ण समाधान दिवस और समाधान दिवस पर शिकायत करने के बावजूद भी उक्त लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। समाधान दिवस के अवसर पर सबसे ज्यादा राजस्व से जुड़ी चक मार्ग, नाली, खड़ंजा, की शिकायतें आई, लेकिन राजस्व विभाग व तहसील प्रशासन की उदासीनता के चलते एक भी शिकायती पत्र का निस्तारण नहीं हो सका । भुण्डा जल निगम इस सप्ताह व्हाट्सएप मोटर खराब होने से पानी के दिक्कत से लोगों को सामना करना पड़ रहा है , पनासा गांव के जगदीश अवैध कब्जे को हटवाने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की काकोरी गांव के इसी प्रकार खाई गांव के अक्षय वर नाथ जबरन नाली का पानी खेत में बहाने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की ग्राम प्रधान धरवारा ने 11,000 हाईटेंशन तार के नवीनीकरण की किए जाने की मांग की जिससे दुर्घटना ना हो।समाधान दिवस पर तहसीलदार रमेश चंद्र पांडे ,सीओ अजीत कुमार सिंह चौहान ,नायब तहसीलदार विनय कुमार द्विवेदी खंड विकास अधिकारी करछना देव कुमार समेत विभागीय अधिकारी वह राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

इफको: विधि विधान से हुई देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा

फूलपुर। इफको के केन्द्रीय कार्यशाला (यान्त्रिक) में शनिवार को देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा विधि पूर्वक भव्य तरीके से की गई। पूजा प्रभारी इकाई प्रमुख संजय वैश्य, इफको अधिकारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी, मुख्य यज्ञमान डी.के.शुक्ला (उपमहाप्रबंधक भंडारण) ने सर्वप्रथम भगवान गणेश, भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर हवन एवं आरती किया। इस दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक गिरीधर मिश्र, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः एम.डी. मिश्र, ए.पी.राजेन्द्रन, संजय भंडारी, पी.के.सिंह (समिति के अध्यक्ष), पी.के. पटेल, एस.के. शुक्ला, रत्नेश कुमार, डॉ अनीता मिश्र, एस.के. सिंह मौजूद रहे। उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन दानवीर सिंह, विश्वकर्मा पूजा समिति के सचिव रवीन्द्र कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष जी.एस.पाण्डेय, मुख्य संयोजक पी.के. त्रिपाठी, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार मिश्र व महामंत्री स्वयं प्रकाश, इफको कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विनय यादव, समस्त विभागाध्यक्ष एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में मौजूद सभी लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। बता दें की दुनिया के पहले वास्तुकार देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा इफको की फूलपुर इकाई में प्रतिवर्ष धूमधाम व उल्लास के साथ मनाई जाती है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा : गंगा प्रसाद

अखंड भारत संदेश

भाजपाइयों ने ब्लाक परिसर मेजा में मोदी का 72वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया

मेजा रोड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उनके नेतृत्व में कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच रहा है।उक्त बातें ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मेजा गंगा प्रसाद मिश्र ने पीएम मोदी के जन्म दिन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि कही।उन्होंने कहा कि देश के लोग जिन चीजों को मात्र सपने में सोचते थे उन चीजों को मोदी ने चरितार्थ किया है। चाहे वह राम मंदिर हो, चाहे वो 370 हो या फिर तीन तलाक जैसे फैसले। अगर नरेन्द्र मोदी की राजनीति के बारे में बात की जाए तो आजादी के बाद भारत के इतिहास में जिस राजनेता ने विपक्ष की सर्वाधिक आलोचनाओं का सामना किया है तो पहले नंबर पर नरेन्द्र मोदी का नाम होगा। विपक्ष नरेन्द्र मोदी की जितनी भी आलोचना करता रहा हो, लेकिन हर बार नरेन्द्र मोदी पूरी मजबूती के साथ एक सशक्त नेता के रूप में उभरकर सामने आए, क्योंकि नरेन्द्र मोदी अपने खिलाफ किए गए दुष्प्रचार से कभी घबराए नहीं, बल्कि उन्होंने अपनी आलोचनाओं और अपने खिलाफ विपक्ष द्वारा किए गए दुष्प्रचार का डटकर सामना किया,तभी तो नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री जैसे बड़े पद पर पहुंच पाए। मंडल अध्यक्ष कोहड़ार अधिवक्ता गोविंद मिश्र ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद संपूर्ण भारत देश का विश्वस्तर पर मान बढ़ाया है। नरेन्द्र मोदी का मंत्र है 'रन किसी को आंख दिखाएंगे, न आंख झुकाएंगे, न आंख मिलाकर बात करेंगेर इसी मंत्र के साथ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहम स्थान है। आज पाकिस्तान जैसे देश, जिसमें आतंकवाद का पोषण किया जाता है, को विश्वस्तर पर अलग-थलग करने में नरेन्द्र मोदी की कूटनीति का ही अहम योगदान है। मंडल अध्यक्ष मेजा अधिवक्ता कामेश्वर पटेल ने सम्बोधित करते हुये कहा कि आज नरेन्द्र मोदी की कूटनीति का ही कमाल है कि चीन जैसे बड़े देश को डोकलाम विवाद पर अपने पैर पीछे खींचने पड़े। एक समय डोकलाम विवाद को लेकर ऐसा लग रहा था कि भारत और चीन के बीच युद्ध होकर ही रहेगा, लेकिन चीन की तरफ से उकसाने वाले बयान आने के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने संयम से इस गतिरोध का हल निकाला जिसका नतीजा ये रहा कि चीन को डोकलाम से अपनी सेना वापस बुलानी पड़ी। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत की जय-जयकार हो रही है। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्वस्तर पर भारत की धूम मची है। इस मौके पर सभी ने योजनाओं का सही क्रियान्वयन कराने का संकल्प भी लिया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने केक काटकर पीएम मोदी का जन्म दिन मनाया। प्रतिनिधि श्री मिश्र ने कार्यकताओं को अंग वस्त्रम भेट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधान गडेवरा अनिल शुक्ल ने किया।इस मौके पर प्रमुख रूप से मंडल मंत्री अमरेश तिवारी,संजय तिवारी,राजू दुबे,शिवशंकर मिश्र,पवन कुमार तिवारी,प्रदीप मिश्र,दिनेश मिश्र,आदर्श मिश्र,शशि तिवारी,संदीप शुक्ला और विनय शुक्ला आदि भारी संख्या में संगठन के लोग मौजूद रहे।

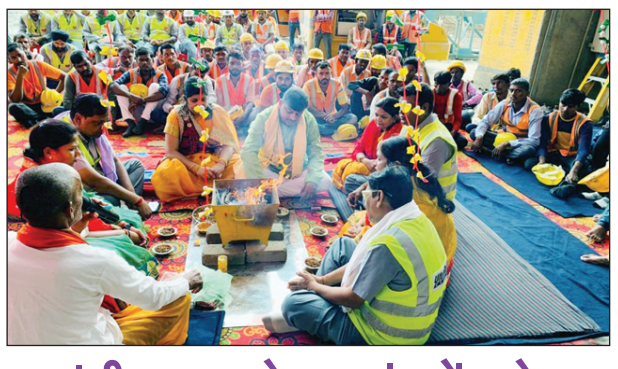

जयंती : अल्ट्राटेक प्लांट में पूजे गए देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा

शंकरगढ़। देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर शनिवार को जनपद के सभी कल-कारखानों में विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। विश्वकर्मा जयंती के मौके पर सभी कारखानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, लघु उद्योगों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया और पूरे विधि-विधान से देवशिल्पी से सालभर की कुशलता का आशीर्वाद मांगा गया। इसी क्रम में यमुनापार के बारा,शंकरगढ़ में स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में पूरी भव्यता के साथ विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। संयंत्र के सीमेंट मिल में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति स्थापित की गई और प्रातः 10.30 बजे से पूजा प्रारंभ हुई। आचार्य ने पूरे विधि-विधान से सभी देवताओं का आह्वान करते हुए देवशिल्पी की आराधना की और प्लांट की तरक्की का आशीष मांगा। संयंत्र के हेड अमिताभ कुमार सपत्नीक पूजा में शामिल हुए और पूजा-अर्चना कर हवन किया। इसके उपरांत सभी को प्रसाद बांटा गया। इस मौके पर प्लांट में कार्यरत एच आर हेड ललन सिंह समेत सभी कर्मचारी, श्रमिक व कांट्रेक्टर भी शामिल हुए और हवन व आरती की।

जयंती पर पूजे गये भगवान विश्वकर्मा, जगह-जगह हुआ आयोजन

रक्तदान शिविर का फीता काटकर शुभारंभ करते जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र

सपा कार्यालय पर विधायक ने किया माल्यार्पण

भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण करते विधायक डा0 आरके वर्मा।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़/कटरा गुलाब सिंह। शनिवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय मीरा भवन पर भगवान विश्वकर्मा की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उनकी पूजा की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव व संचालन पूर्व मीडिया प्रभारी मनीष पाल ने किया।

इस मौके पर रानीगंज के विधायक डॉक्टर आरके वर्मा ने विश्वकर्मा भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन किया उपस्थित लोगों ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के निदेर्शानुसार भगवान विश्वकर्मा के पूजन में सम्मिलित होकर इस पर्व के प्रति अपनी आस्था जताया। इस मौके पर आशुतोष पाण्डेय, प्यारेलाल खैरा, नरेंद्र पाल, सिराजुलहक लल्लू, सत्यनारायण यादव, डॉ.रामबहादुर पटेल, रामबचन यादव आदि मौजूद रहे। उधर स्टेषन रोड स्थित जैन गली में विष्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया।

उधर विश्वकर्मा पूजा यांत्रिक कार्यशाला प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग प्रतापगढ़ में धूमधाम से मनाया गया। इसमें पूजा, हवन एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम हुआ। प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता इं डी के अहिरवार, सहायक अभियंता इंजीनियर डी के तिवारी, अवर अभियंता मैकेनिकल इं अतुल यादव, इं संदीप सिंह द्वारा पूजा का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। पीडब्ल्यूडी परिवार के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी पूजा में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया।

उधर क्षेत्र के भयहरण नाथ धाम परिसर में स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर पर राम चन्द्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में सार्वजनिक रूप से पूजा आयोजित की गई जिसमें कटरा गुलाब सिंह क्षेत्र के विश्वकर्मा समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। इसके अलावा रामसु॰दर खराद वर्कशॉप में भी विश्वकर्मा पूजा आयोजित की गई लकड़ी, लोहे आदि से जुड़े प्रतिष्ठानों में विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पवन कुमार विश्वकर्मा, सुरजीत विश्वकर्मा राजेश विश्वकर्मा मोहम्मद फहीम पप्पू भाई आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

कर्मचारियों ने किया भगवान विश्वकर्मा की पूजन अर्चन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विद्युत उपकेंद्र 33/11 कालाकांकर में शनिवार को पावर हाउस में जेई व कर्मचारियों ने भगवान विश्वकर्मा की चित्र पर पुष्प अर्पित कर मिष्ठान के भोग लगाएं और प्रसाद के रूप में सभी को वितरण किया। पावर हाउस के अंदर आलापुर बाजिदपुर व कालाकांकर इनकमिंग मशीन पर फूलों की माला पहनाया और पावर हाउस में रखें बड़े ट्रान्सफार्मर की भी पुजा अर्चन किया। इस मौके पर जेई व नोडल सुनील कुमार लाइन में शुभम सिंह, सुरेश भदौरिया, बब्बू, बबलू, राजेंद्र, अजय पांडेय सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में संग्रामगढ़ स्थिति सरयू इंद्रा महाविद्यालय में संस्थान के प्राचार्य डॉ प्रवीन सागर शुक्ल, इंजीनियर राजकुमार शुक्ल एवं इंटर कालेज संग्रामगढ़ के प्रधानाचार्य हरकेश मिश्र प्रवक्ता गण ने सुंदर पाठ के साथ मशीन का पूजन अर्चन कर प्रसाद वितरण किया।

हर स्वस्थ व्यक्ति को करना चाहिये रक्तदानः हरिओम

पीएम मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर जिला अध्यक्ष अंशुमान सिंह के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा कार्यालय पर मेगा रक्त महोत्सव का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष भाजपा हरिओम मिश्रा ने फीता काटकर रक्त महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आज भी रक्तदान देने को लेकर भ्रांतियां हैं उनके जहन में रहता है कि शरीर कमजोर हो जाता है चक्कर आता है रक्तदान नहीं करना चाहिए ऐसे व्यक्तियों से निवेदन है कि वह 18 वर्ष से 45 वर्ष के स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं। अंशुमान सिंह ने बताया युवा मोर्चा आठ स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है जिसमें रामपुर, कुंडा, रानीगंज, सदर, बेलखरनाथ, भाजपा कार्यालय, सांगीपुर, लालगंज शामिल हैं जहां पर कुल 200 रक्त दाताओं ने रक्तदान किया है। इस मौके पर नितीश श्रीवास्तव, अवनीश सिंह, रोहित सिंह, चंद्र प्रताप सिंह, शिवांगु सोनकर, राहुल मौर्य, मदन पाल, रितेश सिंह, चंदन, रामजी मिश्रा, प्रिंस पांडे, रजनीश शुक्ला, विकास सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

185 शिकायतकर्ता में 10 शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

लालगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस

समाधान दिवस में शिकायतें सुनते जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में तहसील लालगंज में आयोजित किया गया।

पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतें पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सुना। सम्पूर्ण समाधान दिवस में क्रमबद्ध तरीके से फरियादियों की शिकायतों को सुना गया एवं यथाशीघ्र शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। लालगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 185 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 10 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 185 शिकायतों में से 70 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 50, विकास विभाग से 30, समाज कल्याण से 10, शिक्षा विभाग से 05 एवं 20 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये हुये प्रकरणों का यथाशीघ्र गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए।

मांगों को लेकर दूसरे दिन भी रेल कर्मियों ने किया प्रदर्शन

आउट डोर में डिप्टी एसएस की तैनाती होने तक चलेगा मेंस यूनियन का विरोध प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आउट डोर बंद किए जाने के विरोध में रेल कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन शनिवार को भी जारी रहा। कर्मचारियों का नेतृत्व कर रही शाखा मेंस यूनियन के नेताओं ने सीनियर डीओएम का जमकर मुदार्बाद किया। उन्हें कर्मचारी विरोधी बताया। यूनियन के अध्यक्ष मोहम्मद शफीक ने कहा कि आउट डोर को बिना किसी कारण से बंद करना सीनियर डीओएम की तानाशाही को दशार्ता है। मंत्री अनिल शुक्ला ने कहा कि आउट डोर को खुला जाय और उसमें डिप्टी एसएस की पोस्टिंग की जाए। तभी यूनियन का विरोध प्रदर्शन बंद होगा। उन्होंने कहा कि सीनियर डीओएम के कर्मचारी विरोधी फरमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सारे कर्मचारी एकजुट होकर उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करें। स्टेशन अधीक्षक कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन के बाद नेताओ ने एसएस का घेराव उनके चैबर में किया। इन पर अधिकारियों को गलत सूचना देने और कर्मचारी विरोधी होने का आरोप नेताओं ने लगाया है। यूनियन द्वारा सीनियर डीओएम को संबोधित ज्ञापन एसएस को दिया गया। शनिवार को हुए विरोध प्रदर्शन में अजय आनंद, मनीष पांडेय, मोहम्मद अनीश, एसके तिवारी, ओपी राव समेत काफी संख्या में कर्मचारी, नेता मौजूद थे।

नगर पालिका ने शहर में निकाली स्वच्छता रैली

इण्डियन स्वच्छता लीग का पहला फेज शुरू

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इंडियन स्वच्छता लीग सप्ताह के तहत नगर पालिका परिषद में अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह के नेतृत्व में एक स्वच्छता रैली निकाली गई। इंडियन स्वच्छता लीग का पहला फेज 17 सितंबर से 25 सितंबर तक चलेगा।

यह रैली प्रतापगढ़ के कंपनी गार्डन से मीरभवन चैराहे तक आयोजित की गई। इस रैली के माध्यम से लोगो को प्लास्टिक उपयोग न करने के बारे में बताया गया। कूड़ा कूड़ेदान में ही डाले, स्वच्छता ही सेवा है आदि के बारे में जागरूक भी किया गया। इस रैली में नगर पालिका परिषद के सफाई एवम खाद्य निरीक्षक संतोष सिंह, राजस्व निरीक्षक लाल बहादुर, राजेश बिन्द, स्वच्छ भारत मिशन के डी0 पी0एम0 वरुण सिंह, डी सी0 आशीष मिश्रा, प्रशांत सिंह एवं रोड गैंग अन्य कर्मचारीगण एवम सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। इस रैली का उद्देश्य जन जन में स्वच्छता संदेश फैलाना है। नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि नगर को स्वच्छ रखने के लिये पालीथिन का प्रयोग बिल्कुल न करें। बाजार झोला लेकर जाएं और सड़क पर कूड़ा न फेंके।

नगर में स्वच्छता रैली निकालते नगर पालिका कर्मी।

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना कन्धई से उ0नि0 रमेश सिंहमय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थानाक्षेत्र के रामपुर कुर्मियान के पास से मु0अ0सं0 158/21 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम से सम्बन्धित एक वांछित अभियुक्त रियाजुद्दीन पुत्र ननकू नि0 रामपुर कुर्मियान थाना कन्धई जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्र के साल्हीपुर मंदिर के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से उक्त अभियोग से संबंधित एक अदद बैट्री मय इन्वर्टर बरामद की गयी।

कृषि विज्ञान केन्द्र ऐंठू में हुई किसान गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। राष्ट्रीय पोषण माह अभियान के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र ऐठू अवधेशपुरम प्रतापगढ़ द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के द्वारा किया गया जिसका सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र में महिला किसानो को दिखाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य और पोषण आवश्यकता के प्रति जागरुकता, गर्भावस्था जांच और पोषण

किसान गोष्ठी में मौजूद महिला किसान।

देखभाल, कम दाम में उच्च पोषक तत्वों वाले पकवानों एवं पारम्परिक पौष्टिक व्यंजनों के बारे में जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में इफको के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री महेन्द्र सिंह, स्वयं सहायता समूह की महिलायें, समूह सखी, बैक सखी, ऑगनबाड़ी कार्यकत्री सहित 150 कृषक एवं कृषक महिलायें सम्मिलित हुई। गृह वैज्ञानिका स्वाती दीपक दुबे ने कृषक महिलाओं को पोषण वाटिका वं मोटे अनाज का महत्व पर साहित्य प्रचार प्रसार के लिए जानकारी दिया। इस मौके पर डा0 ए0 के0 श्रीवास्तव, कृषि विज्ञान केन्द्र के डा0 नवीन सिंह, डा0 भाष्कर शुक्ला, अवधेश सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, प्रशान्त उपाध्याय, डा0 रणजीत सिंह, विनोद चैरसिया, राम चन्द्र, जुगुल किशोर तिवारी, रविशंकर, जी0 आर0 पटेल, उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम को काला झण्डा दिखाने वाला धराया

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। वीआईपी कार्यक्रम की सुरक्षा व यातायात ड्यूटी में तैनात उ0नि0 शत्रुघन वर्मा मय हमराह द्वारा वीआईपी कार्यक्रम में काला झण्डा दिखाकर सुरक्षा व्यवस्था में विघन डालने व यातायात प्रभावित करने वाले01 व्यक्ति सोनू यादव पुत्र शोभनाथ यादव निवासी शिवबोझ थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति द्वारा पूछताछ में उसकी निशानदेही पर 05 अदद नाजायज देसी बम को बरामद किया गया। उक्त बरामदगी के सम्बन्ध मेंथाना लीलापुर पर मु0अ0सं0 63/22 धारा 353, 153ए, 295ए, 505(2), 504, 506 भादवि व 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया है। सोनू यादव ने शुक्रवार को डिप्टी सीएम केषव प्रसाद मौर्य को मोहनगंज बाजार में काला झण्डा दिखाया था।

युवा व्यापारी के अचानक लापता होने से पनपा आक्रोश, व्यापारियों ने घेरी कोतवाली

एसपी के निर्देश पर तलाश के लिए पुलिस टीमें हुई गठित

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के युवा व्यवसायी के अचानक लापता हो जाने से शनिवार को यहां व्यापारियों मे आक्रोश फैल गया। आक्रोशित व्यापारियों ने कोतवाली का घेराव कर व्यापारी का पता न लगने पर कारोबार ठप किये जाने की चेतावनी दी। इधर पुलिस ने गायब व्यापारी के भाई की तरफ से दी गई तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज की। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने भी डीएम व एसपी को पत्र लिखकर लापता व्यापारी की खोज करने को कहा है।

लालगंज कोतवाली के भवराम बोझी निवासी स्व. राजेश पाण्डेय के पुत्र ऋषभ पाण्डेय 28 लालगंज बाजार में एक प्रतिष्ठान का संचालक है। ऋषभ शुक्रवार की शाम पांच बजे दुकान बंद कर घर के लिए निकला। देर रात तक जब वह घर नही पहुंचा तो परिजन परेशान हो उठे। परिजनों ने आसपास के लोगों तथा रिश्तेदारियों में पता लगाया किंतु जानकारी नही हो सकी। पुलिस ने रात मे ही सूचना पर ऋषभ का मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगा दिया था। दूसरे दिन दोपहर तक ऋषभ का एक नंबर शुक्रवार की रात बारह बजे से बंद मिला है। दूसरे नंबर को सर्विलांस पर लगाया गया है। इधर गायब व्यापारी के छोटे भाई रितेश पाण्डेय की तहरीर पर पुलिस ने ऋषभ की गुमशुदगी शनिवार को दर्ज की है। शनिवार को युवा व्यापारी के लापता होने को लेकर स्थानीय व्यापारी अनहोनी की आशंका को लेकर चिंतित हो उठे। रात मे ही सूचना के बावजूद पुलिस द्वारा उसका पता न लगाये जाने को लेकर व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर नारेबाजी के साथ कोतवाली सुबह पहुंच गये। यहां प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने देर शाम तक गायब व्यापारी के पता लगाये जाने का भरोसा दिलाकर व्यापारियों का गुस्सा शांत कराया।

एमकॉम मौखिकी परीक्षा कल

परियावां, प्रतापगढ़। एम एम पी जी कालेज कालाकांकर के प्राचार्य प्रो0 शिवम श्रीवास्तव की जारी विज्ञप्ति के अनुसार एम काम चतुर्थ सेमस्टर 2021-22 के समस्त विद्यार्थियों की मौखिकी परीक्षा 19 सितम्बर 22 को महाविद्यालय परिसर में प्रातः दस बजे सम्पन होगी। वाणिज्य संकाय प्रभारी डॉ सूर्यभान सिंह ने सभी छात्रों से समय से कालेज पहुँचने की अपील की है।

अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

तहसील के जर्जर भवन समेत कई समस्याओं से कराया अवगत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शनिवार को अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा कर तहसील की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।साथ ही उसके निराकरण हेतु अनुरोध किया। स्थानीय तहसील के संयुक्त अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शहजाद अंसारी के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से तहसील की समस्याओं से अवगत कराया गया।

अधिवक्ताओं ने तहसील की समस्याओं में अभिलेखागार में बंदोवस्त जमा कराने की मांग की। तहसीलदार की अदालत में 2151 वाद लंबित है जबकि न्यायिक तहसीलदार की अदालत में 708 मुकदमे ही विचाराधीन है उक्त असमानता के की वजह से न्यायिक निर्णय नहीं हो पा रहा है।पूर्व में चिकित्सीय मुआइना स्थानीय अस्पतालों में होता था जो बिना किसी आदेश के बंद कर दिया गया है।तहसील की इमारत में पानी की वजह से हमेशा सीलन बना रहता है और छतों से पानी टपकता रहता है जिससे कमजोर व जर्जर भवन की वजह से अधिवक्ताओं के ऊपर जान माल का खतरा हमेशा बना रहता है। उक्त समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए जिलाधिकारी ने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया। इस मौके पर अजय शुक्ल गुड्डू, पूर्व महामंत्री संदीप सिंह, असलम, वकील अहमद, शिव कुमार, शैलेंद्र सिंह,सत्यम त्रिपाठी,राहुल, इमरान, अवनीश गौतम, प्रवीण सिंह,राम कुमार पांडेय, विमल यादव, हर्षद श्रीवास्तव, मोहित जायसवाल, विजय कुमार तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

आपत्तिजनक बयान देने वाले आरोपी की हो गिरफ्तारी

राष्ट्रीय परशुराम सेना ने पुलिस उपाधीक्षक रानीगंज को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

रानीगंज, प्रतापगढ़। रानीगंज के सराय सुल्तानी में आयोजित कार्यक्रम में राजेंद्र यादव नामक व्यक्ति द्वारा ब्राह्मण समाज को अपमानित करने के नियति से दिए गए आपत्तिजनक भाषण को लेकर राष्ट्रीय परशुराम सेना संगठन द्वारा पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर आरोपी व्यक्ति के ऊपर मुकदमा पंजीकृत करने की मांग की गई थी जिस पर थाना रानीगंज में गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत हुआ था। उक्त घटना के संबंध में रानीगंज बाजार में स्थित भगवान परशुराम मंदिर पर मंडल अध्यक्ष संजय शुक्ला की अध्यक्षता में ब्राह्मण समाज द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमे लोगो ने इस घटना की घोर निन्दा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला एडवोकेट के नेतृत्व में संगठन के सैकड़ों लोग एकत्रित होकर तहसील रानीगंज में क्षेत्राधिकारी रानीगंज को ज्ञापन सौंप कर आरोपी व्यक्ति की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने ऐलान किया की 48 घंटे के अंदर यदि आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल नही भेजा गया तो राष्ट्रीय परशुराम सेना पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होगी। इस दौरान राष्ट्रीय परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष अनिल स्वतंत्र अभिषेक तिवारी अनुराग मिश्र एडवोकेट रंजन शुक्ल एडवोकेट अंकित दुबे एडवोकेट ज्ञानचंद दुबे एडवोकेट ओमप्रकाश तिवारी एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

गैर इरादतन हत्या का आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के थाना हथिगवां से थाना प्रभारी उ0नि0 संतोष कमार सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 187/2022 धारा 147, 304, 201 भादवि से संबंधित 01 अभियुक्त हरिकेश उर्फ टेनी उर्फ पेड़ई पुत्र कल्लू सरोज नि0 हियातनगर मजरा पूरनेमऊ थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया।

ट्रान्सफार्मर के न बदलने से बिजली पानी के लिए मचा हुआ हाहाकार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विद्युत उपकेंद्र कालाकांकर से जुड़े क्षेत्र पाइकगंज बाजार, गुलरहीबाग व मुरस्सापुर में बुधवार को आकाशीय बिजली के चटकने से डैमेज हुआ ट्रान्सफार्मर शनिवार तक नही बदला गया जिससे पाइकगंज बाजार गुलरही बाग व मुरस्सापुर गाव में बिजली पानी के चलते हाहाकार मचा हुआ है। जब कि उपभोक्ताओं ने 1912 डायल में बिजली विभाग में आन लाइन शिकायत दर्ज करा दिया है लेकिन 72 घण्टे बीत जानेबके बाद अभी तक कही ट्रान्सफार्मर नहीं लग सका।

अवैध तमन्चा व कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना जेठवारा से उ0नि0 सीताराम यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थानाक्षेत्र के जेठवारा नहर पुलिया के पास से राहुल यादव पुत्र अनिल यादव नि0 ग्राम भर्राव थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ को 01 अदद तमन्चा 12 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर अभियुक्त के विरूद्ध आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया।

खबर संक्षेप

गौशाला में पूजी गई गौ माता

कौशाम्बी। मंझनपुर ब्लाक अंतर्गत टेवा स्थित गौशाला में शुक्रवार को गौ माता पूजी गयी है एव भंडारा का आयोजन हुआ इस मौके पर मंझनपुर ब्लॉक के पशु चिकित्सा अधिकारी हेमलता शर्मा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एस पाल सिंह ने गाय को तिलक चंदन लगाकर खीर पूरी खिलाई इस दौरान गौशाला में भंडारे का भी आयोजन किया गया था जहां क्षेत्र के हजारों लोग इस कार्यक्रम में मौजूद रहे इस मौके पर ग्राम प्रधान बिट्टन देवी प्रतिनिधि अवनीश तिवारी रामानंद तिवारी राकेश पहलवान बबलू राजेंद्र भगत आदि लोग मौजूद रहे।

पीएम मोदी के काम ने देश के विकास को दी दिशा : अनिल सिंह

भाजपा, भजयुमो और एवीबीपी ने रक्तदान कर धूमधाम से मनाया देश के प्रधानमंत्री का जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी का जन्म पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस मौके पर भाजपा, भाजयुमो और एबीवीपी के कार्यकताओं के द्वारा जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान किया गया। इसी के साथ प्रधानमंत्री के जीवन चरित्र पर आयोजित एक प्रदर्शनी का आयोजन जिला पंचायत परिसर में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि अनिल सिंह ने कहा कि आज देश के युवाओं के सामने नरेंद्र मोदी का जीवन चरित्र एक संघर्ष के रूप में सामने हैं। जिन्होंने अपने जीवन को एक गरीब परिवार से शुरू करते हुए देश के शीर्ष पद तक पहुंचने में कामयाबी हासिल किया। यही नहीं अपने जीवन में जिस तरीके से संघर्ष करके देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वह भी युवाओं के लिए एक प्रेरणा का विषय है। इस मौके पर बोलते हुए जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने कहा कि उन्होंने गरीबी को नजदीक से देखा है और उसको अपने जीवन में उतारा है। इसका उदाहरण है कि जब

मोदी वैन को हरी झंडी दिखाती जिला अध्यक्ष

उन्होंने अपने मां को चूल्हे पर खाना बनाते हुए देखा तो इससे प्रेरणा लेकर उन्होंने देश की माओं के लिए गैस सिलेंडर की व्यवस्था किया। इसके साथ उन्होंने अपने जीवन के एक एक घटना से बड़ी सीख ले कर उसे देश के विकास को दिशा दिया। गुजरात के सीएम के रूप में उन्होंने बेहतर काम का गुजरात को एक विकास माडल के रूप में पूरे देश में प्रस्तुत किया यही नहीं आज भारत के चौमुखी विकास के लिए उन्होंने इस तरीके से संघर्ष किया है। भारत आज विश्व के पांच में सबसे मजबूत देश के रूप में सामने खड़ा है यही नहीं आज भारत की आर्थिक प्रगति सूचकांक प्रथम स्थान पर है यह नरेंद्र मोदी की कठिन परिश्रम का ही नतीजा है। इस मौके पर रक्तदान करने वाले लोगों को सीएमएस दीपक सेठ द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से पूर्व विधायक संजय गुप्ता, शीतला प्रसाद पटेल वेद प्रकाश पाण्डेय सत्यार्थी, रिचा पाण्डेय, लवकुश मौर्य, हुबलाल दिवाकर, संजय जयसवाल मौजूद रहे।

जिला पंचायत परिसर में लगी मोदी की जीवन पर प्रदर्शनी

कौशाम्बी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के रूप नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी के जन्मदिवस पर बृहद प्रदर्शनी का आयोजन जिला पंचायत परिसर में किया गया। इस प्रदर्शनी में उन्हीं के बचपन से लेकर वर्तमान तक के संघर्षों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया था। प्रदर्शनी का उद्घाटन पार्टी जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी के द्वारा किया गया लोगों ने बड़ी ही उत्सुकता के साथ देश के प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित इस प्रदर्शनी को देखा।

कई लोगो ने किया रक्तदान

कौशाम्बी। भाजपा, भजयुमो और एवीबीपी के कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर रक्तदान में हिस्सेदारी किया जिसमें प्रमुख रुप से भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिव प्रकाश मौर्या रिंकू, एबीवीपी की नेता रिचा पाण्डेय, सोनिया राजपूत, कविता केसरवानी, विनोद मौर्य, अशीष बच्चा, नितिन पासी सहित कुल 65 लोगों ने रक्त दान किया।

फांसी के फंदे से लटकती मिली अधेड़ की लाश

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के लोकीपुर गांव के एक अधेड़ की घर के भीतर फांसी के फंदे में लाश लटकती मिली है अधेड़ की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है परिवार के लोगों ने बताया कि अधेड़ का दिमागी संतुलन ठीक नहीं रहता था और 5 वर्ष पहले एक बार वह कुएं में गिर गया था जिससे उसे गंभीर चोटें लगी थी और 5 वर्ष से वह लगातार बीमार रहता था बीमारी से तंग आकर अधेड़ ने आत्महत्या कर लिया है मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने अधेड़ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के लोकीपुर गांव निवासी शंकरलाल उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र रामेश्वर प्रसाद मजदूरी करके परिवार का जीविकोपार्जन करते थे 5 वर्ष पहले वह कुएं में गिर गए थे जिससे उन्हें गंभीर चोटें लगी थी गंभीर चोट लग जाने से उनका दिमागी संतुलन ठीक नहीं रहने लगा और वह अक्सर घर में पड़े रहते थे बीमारी के चलते वह परिवार का जीविकोपार्जन नहीं कर पाते थे जिससे तंग आकर शंकरलाल ने बीती रात अपने घर के अंदर चुल्ले में फंदा डालकर आत्महत्या कर लिया है मृतक के 5 बच्चे हैं शंकर लाल की मौत की जानकारी मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मचा है शंकर लाल की मौत की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई है सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने अधेड़ के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।

विद्युत करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के गडरियन का पूरा मजरा कोर्रे गांव में छेदी लाल पुत्र स्व. चौबे लाल की भैंस पर शुक्रवार की भोर में हाइटेंशन जर्जर विद्युत तार गिर गई। हादसे में भैंस की मौत हो गई है। भैंस की कीमत लगभग करीब 70 हजार रुपए बताई जा रही है।

तहसील सिराथू में डीएम एसपी ने सुनी शिकायतें

अखंड भारत संदेश

फरियादियों की समस्याएं सुनते डीएम एसपी

कौशाम्बी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने तहसील सिराथू में आम-जन की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को समयान्तर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दियें। उन्होनें राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस एवं आई0जी0आर0एस0 के तहत प्राप्त शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकताओं के आधार पर निस्तारित किया जाय। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर कर दिया गया। समाधान दिवस में शिकायतकर्ता जुबैदा बानों निवासिनी ग्राम-इचौली द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि दबंग व्यक्तियों द्वारा आम रास्ते पर जबरन कब्जा कर निर्माण कार्य कराया किया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सिराथू को प्रकरण की जॉच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार शिकायतकर्ता नादरा बेगम निवासी ग्राम-सम्भुई द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि प्रार्थिनी का अन्त्योदय कार्ड बना था, जिसे सम्बन्धित ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा निरस्त करवा दिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने जिलापूर्ति अधिकारी को प्रकरण की जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दियें है इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुषेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

कल्यानपुर में बेखौफ चल रहा भ्रूण लिंग जांच और आर्बसन

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के कल्यानपुर बाजार में एक पटेल के क्लीनिक में बेखौफ तरीके से जांच और आबर्सन का खेल वर्षों से चल रहा है लेकिन उसके बाद भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अस्पताल को सील कर चिकित्सक पर कार्यवाही नहीं की है बीते दिनों खोजवापुर गांव की एक युवती ने अपने प्रेमी पर बलात्कार और उसके बाद भ्रूण लिंग की जांच कराए जाने और पेट में पल रहे बच्चे का आबर्सन कराए जाने का आरोप लगाते हुए अस्पताल संचालक के नाम का खुलासा कर अधिकारियों को शिकायती पत्र दिया है आखिर जब सरकार ने भ्रूण लिंग की जांच अपराध घोषित कर रखा है तो कैसे इस अस्पताल में भ्रूण लिंग की जांच हो रही है बताया जाता है कि इस अस्पताल का संचालक चिकित्सक कम पढ़ा लिखा है इसके पास चिकित्सीय डिग्री नहीं है फिर भी अस्पताल बेखौफ तरीके से हो रहा है इलाके के लोगों ने सीएमओ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अस्पताल को सीज करने और अस्पताल संचालक में मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है।

रक्तदान कर अ.भा. विद्यार्थी परिषद ने मनाया पीएम का जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने रक्तदान कर पीएम का जन्मदिन मनाया है इस मौके पर गरीब कमजोर और अस्पताल के मरीजों को छात्रों ने फल का वितरण किया है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् काशी प्रांत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस मौके पर दर्जनों छात्रों ने रक्तदान किया इस मौके पर रिचा पांडे ने कहा कि रक्तदान हमारे जीवन के लिए बहुत लाभकारी है और यह सेवा हमारा कर्म है जिसे हम सभी को सदा करते रहना चाहिए जीवन अपने लिए ही नहीं अपने देश और देश वासियो के लिए समर्पित करते हुए जीना चाहिए रक्तदान शिविर के अवसर पर रिचा पाण्डेय अभाविप काशी प्रांत क्रीड़ा सह संयोजक,नगर विस्तारक प्रतापगढ़ जिला संयोजक ऋषभ अनुज अनूप ऋतिक, आदर्श, श्रेष्ठ अनमोल संजय सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दलित बस्ती में केक काटकर मनाया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

पूर्व नगर अध्यक्ष अमरेश कुमार उर्फ कल्लू पंडा ने दलित बस्ती के बच्चों के बीच पीएम मोदी का जन्मदिन मनाते हुए उनके दीघार्यु की कामना की

कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी के मंझनपुर नगर के पूर्व नगर अध्यक्ष अमरेश कुमार उर्फ कल्लू पंडा ने मंझनपुर कस्बे के दलित बस्ती में केक काट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया है इस मौके पर उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु की कामना प्रभु से की है दलित बस्ती के बच्चों के बीच खुशियां मनाते हुए उन्हें केक खिलाया गया और पीएम मोदी के कार्यकाल की चर्चा की गई दलित बस्ती में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाए जाने से दलित बस्ती के लोगों में खुशी का माहौल व्याप्त रहा और दलित बस्ती के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु होने की कामना की है दलित बस्ती में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के जन्मदिन मनाने के अवसर पर अमरेश कुमार उर्फ कल्लू पंडा पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष एवं पूर्व जिला अध्यक्ष जिला कार्यसमिति सदस्य प्रेम सिंह चौधरी रामचंद्र केसरवानी सचिन चौधरी सुरेश केसरवानी रामअवतार लोधी दुर्गा श्रीवास्तव रमेश चंद्र केसरवानी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट के आरोपी लिपिक की नहीं हुई गिरफ्तारी

कौशांबी। कलेक्ट्रेट के अभिलेखा गार में शत्रु संपत्तियों के अभिलेखों में हेराफेरी और अभिलेख गायब किए जाने के मामले में मंझनपुर कोतवाली में कलेक्ट्रेट के लिपिक के खिलाफ गम्भीर धाराओ में मुकदमा दर्ज कराया गया था। सरकारी अभिलेखों को गायब करने के आरोपी लिपिक पर मुकदमा दर्ज किए जाने को कई दिन बीत जाने के बाद आरोपी लिपिक की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जनपद मुख्यालय मंझनपुर सहित तमाम क्षेत्रों की करोड़ों के कीमत की तमाम शत्रु संपत्तियों में माफियाओं ने कब्जा कर लिया है। शत्रु संपत्ति के अभिलेख गायब होने के बाद माफिया सुरक्षित हो गए हैं कहीं आरोपी लिपिक की माफियाओं से सांठगांठ तो नहीं है यह भी एक बड़ी जांच का विषय है।

पांचवे दिन भी हड़ताल पर रहे तहसील संघ के अधिवक्ता

जमीन का सर्किल रेट बढ़ाए जाने से नाराज हुए अधिवक्ताओ ने धरना प्रदर्शन कर अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जमीन के सर्किल रेट मनमानी तरीके से बढ़ा दिए जाने से तहसीलो के अधिवक्ता नाराज हो गए हैं और अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन हड़ताल शुरू कर दिया है लगातार 5 दिन से तहसील के अधिवक्ता धरना प्रदर्शन कर अधिकारियों को ज्ञापन सौंप रहे हैं अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते तहसील के कार्य बाधित हैं जिससे आम जनता फरियादियों को दिक्कत से जूझना पड़ता है शुक्रवार को फिर मंझनपुर चायल तहसील मैं अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन का सर्किल रेट कम किए जाने की मांग की है अधिवक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में जमीन की कीमत का सर्किल रेट अधिकारियों ने मनमानी तरीके से बढ़ा दिया है जिससे जमीन खरीदने वालों को जमीन में स्टांप शुल्क अधिक देना पड़ता है आए फिर खरीददार इस बात का विरोध कर रहे हैं लेकिन अधिकारी उसके बाद मनमानी सर्किल रेट को कम नहीं कर रहे हैं आम जनता की समस्याओं को लेकर तहसील के अधिवक्ता आक्रोशित हो गए और अधिवक्ताओं ने हड़ताल कर कार्य बहिष्कार कर दिया है अधिवक्ताओं ने कहा कि जमीन के बैनामा में सर्किल रेट में 15% से 40% तक बढ़ाया गया है जो गलत है

विरोध प्रकट करते अधिवक्ता

जब तक जमीन के बैनामा के बढ़े सर्किल रेट को अधिकारी कम नहीं करते तब तक अधिवक्ता आंदोलन करते रहेंगे मंझनपुर तहसील में धरना प्रदर्शन आंदोलन हड़ताल करने वालों में अधिवक्ताओ में सुशील कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष तहसील संघ सुरेंद्र कुमार मिश्रा पूर्व महामंत्री संजय कुमार मिश्रा महामंत्री लखन लाल शुक्ल पूर्व अध्यक्ष अभिषेक कुमार खरे रामबाबू मिश्रा संजय चतुवेर्दी आलोक कुमार पांडे फरीदुद्दीन दुर्गा सिंह हरि शरण सिंह मान सिंह यादव छोटे लाल यादव घनश्याम मालवीय कमरुल हसन मो वशी अविनाश त्रिपाठी सहित तमाम अधिवक्ता शामिल रहे।

ब्राह्मणों को अंग वस्त्र फल देकर मनाया आईपीएस का जन्मदिन

बिजिया कौशाम्बी। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के संरक्षक पंडित जुगुल किशोर तिवारी आईपीएस के जन्मदिन पर अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद कौशाम्बी की मासिक बैठक अरविन्द मिश्रा के आवास बिजिया चौराहा मे संपन्न हुई तत्पश्चात पंडित जुगुल किशोर तिवारी आईपीएस के जन्मदिन पर क्षेत्र के ब्राह्मणों को अंगवस्त्र गमछा,फल, मिठाई वितरण कर आईपीएस पंडित जुगल किशोर तिवारी का जन्मदिन को बड़े धूमधाम से मनाया गया इस मौके पर आईपीएस पंडित जुगल किशोर तिवारी के स्वस्थ जीवन और दीघार्यु की कामना प्रभु से की गई कार्यक्रम मे संगठन के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई व शुभकामनाएं दी जन्मदिन के मौके पर संगठन के समस्त पदाधिकारी अजय मिश्रा,अमित त्रिपाठी, हरीश दिवेदी,अशोक मिश्रा, नितीश मिश्रा, सौरभ त्रिपाठी, अरविन्द मिश्रा,आशीष त्रिपाठी, शंकर शुक्ला व सैकड़ों लोग रहे।

यज्ञ हवन विसर्जन के बाद भागवत कथा का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। वृद्ध आश्रम ओसा में महिला अधिकार एव जागृति संस्थान द्वारा कराए जा रहे श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन में शुक्रवार को भगवत कथा के बाद यज्ञ हवन का आयोजन किया गया जिसमें हजारो लोगों ने आहुतियां देकर देश समाज के कल्याण की कामना की इस मौके पर महिला अधिकार एवं जागृति संस्थान की अध्यक्ष अंजना मिश्रा द्वारा भंडारा प्रसाद का वितरण कराया गया जहां इलाके के हजारो महिला पुरुष भक्त प्रभु के भण्डारे में शामिल होकर प्रभु का प्रसाद ग्रहण किया शनिवार को विसर्जन के बाद भागवत कथा का समापन हो गया है सिर पर कलश रखकर बृद्ध पुरुष महिला और बच्चो ने यज्ञ हवन और भगवत कथा के पूजा पाठ की सामग्रियों का विसर्जन किया हर हर शंभू के मंगल गीतों के साथ महिलाएं सिर पर कलश रखकर वृद्ध आश्रम से बिसर्जन स्थल तक पहुँची और पूजा की सामग्रियों को विधि विधान से विसर्जित किया आचार्य कथावाचक के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लिए 8 दिन ओसा चौराहा और आसपास के सैकड़ों परिवार के लोग प्रतिदिन भागवत कथा कार्यक्रम में शामिल हो कर प्रभु का गुणगान सुनते रहे और जयकारा लगाते रहे यज्ञ हवन के साथ विसर्जन में भी ओसा चौराहा और आसपास की तमाम महिलाएं शामिल रही।

विसर्जन में शामिल महिला पुरुष भक्त

भागवत कथा के समापन पर यज्ञ करते भक्त

रामलीला की तैयारी के लिए पदाधिकारियों ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

अझुवा नगर में 2 दिवसीय मेले का आयोजन 14 एवम 15 अक्टूबर को किया जायेगा

रामलीला आयोजन के संबंध में बैठक करते पदाधिकारी

अझुवा कौशाम्बी। 7 अक्टूबर से कस्बा अझुवा में शुरू होने वाले रामलीला की तैयारियों को लेकर शनिवार को नगर पंचायत अझुवा के पंचम लाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें रामलीला कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। रामलीला कमेटी की बैठक रामलीला कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित की गई जिसमें 7 अक्टूबर से होने जा रही रामलीला की तैयारियों व उसके सफल संचालन की चर्चा की गई इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष ने पदाधिकारियों एवम कार्यकताओं को उनकी जिम्मेदारी सौंपी है 7 अक्टूबर को मुकुट पूजन के साथ रामलीला का विधिवत आयोजन शुरू हो जाएगा। इस बार नगर पंचायत अझुवा में बृहद मेले का आयोजन होगा नगर में 2 दिवसीय मेले का आयोजन 14 एवम 15 अक्टूबर को किया जायेगा मेले में विशाल भीड़ होती है इस पर भी बैठक में चर्चा की गई है। यह जानकारी राम लीला कमेटी के कोषाध्यक्ष आशीष मोदनवाल ने दी है। बैठक के दौरान अध्यक्ष ओम प्रकाश कुशवाहा, कार्यकारी अध्यक्ष सौरभ केसरवानी, फूलचंद्र केसरवानी शंकर लाल केसरवानी, महामंत्री रवि अग्रहरी, राजू केसरवानी, बड़ेलाल केसरवानी विपिन मोदनवाल सहित कमेटी के तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपनी ही बेटी का दांपत्य जीवन बर्बाद करने में लगे पिता की पुलिस से शिकायत

शादी के नाम पर राजस्थान में बॉलिंग बेटी को बेचकर रकम लेने की मंशा रखने वाले पिता के बिरुद्ध बेटी ने किया प्रेम विवाह

कौशांबी। अपनी बेटे की शादी करने के बदले लाखों की रकम लेने की मंशा रखने वाले पिता की शिकायत बेटी ने पुलिस अधिकारियों से कर पिता पर कार्रवाई की मांग की है जब बेटी को जानकारी मिली कि उसका पिता उसे राजस्थान में अधेड़ उम्र के युवक के हाथ लाखों रुपए में बेचकर शादी कर देना चाहता है तो बेटी ने अपने हम उम्र के युवक के साथ प्रेम विवाह कर लिया यह बात पिता को खराब लगी और उसने बेटी को नाबालिग घोषित कर पुलिस को तहरीर दी पुलिस ने बालिका के अपहरण के आरोप में 2 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया और गिरफ्तारी का दबाव बनाने लगी बेटी ने पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर बालिग होने का प्रमाण दिया है। जानकारी के मुताबिक सराय अकिल थाना क्षेत्र के गौरा तिलहापुर गांव की एक युवती ने पुलिस अधिकारियों को पत्र भेजकर कहां है कि मैं पूर्ण रूप से बॉलिंग हूं और मैं अपने जीवन का निर्णय करने के लिए कानूनी दृष्टिकोण से स्वतंत्र हूं उसका कहना है कि मेरे पिता मलखान पासी वा दादा चंदी लाल मेरे बालिग होने पर मुझे राजस्थान के शहरों में दलालों के माध्यम से बेचकर लाखों रुपया लेकर मेरी बेमेल शादी कर रहे थे दोनों की बात सुन कर बेटी ने पिता का विरोध किया और परिजनों को बिना बताए गांव के राजकुमार के साथ चली गई और आर्य समाज संस्थान प्रयागराज में शादी कर ली युवती के चले जाने पर पिता ने नाबालिग बता कर सराय अकिल थाने में मुकदमा अपराध संख्या 0196 सन 2022 दर्ज करा दिया बालिका का कहना है कि कोई अपहरण नहीं हुआ है हम अपने पति राज कुमार के साथ खुशहाल हैं युवती का कहना है कि मेरे पिता मेरे दादा मेरे पति सास ससुर को प्रताड़ित परेशान कर उन्हें जेल भिजवा कर मेरा दांपत्य जीवन बर्बाद कर शादी तोड़वाना चाहते है जिससे बेटी बेचने की मंशा पिता की पूरी हो सके अपने मनपसंद के लड़के से शादी कर लेने से बौखलाए पिता पर युवती ने आरोप लगाया है कि मायके के लोग हम लोगों की हत्या कर सकते हैं जिससे मैं अपने मायके के संपर्क में नहीं आ रही हूं और पुलिस इसी बात का फायदा उठाकर मेरे ससुराल वालों को परेशान कर रही है उसने कहा कि मेरे मायके के लोगों से मेरी और पति की रक्षा की जाए मायके न जाने से बिचलित पुलिस ससुराल के लोगों को प्रताड़ित कर रही है झूठा मुकदमा लिखाने वाले पिता दादा पर कार्यवाही की मांग की गई।

किस कोतवाल ने खरीदी करोड़ों की जमीन !

पुलिस आला अधिकारियों ने जांच कराई तो काली कमाई से करोड़ों की जमीन खरीदने वाले कोतवाल के कारनामों का पदार्फाश होना तय

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले के कई थाने और कोतवाली में तैनात एक कोतवाल ने करोड़ों रुपए की जमीन खरीदी है कोतवाल की अकूत संपत्ति कमाई का क्या राज है यह बिभाग की जांच का विषय है लेकिन इन दिनों करोड़ों की जमीन खरीदने वाले कोतवाल की चर्चा तेजी से हो रही है सूत्रों की माने तो चायल तहसील क्षेत्र के एक गांव में कई बीघे जमीन कोतवाल ने खरीदी है खरीदी गई जमीन की कीमत करोड़ों में बताई जाती है पुलिस विभाग की जांच और कार्यवाही से बचने के लिए कोतवाल ने जमीन की रजिस्ट्री पत्नी के नाम कराया है जिस समय उप निबंधक कार्यालय में जमीन के विक्रय पत्र तैयार हुआ है उसमें खरीददार के पति के नाम पर एक कोतवाल का नाम दर्ज है आखिर कोतवाल के पास करोड़ों की अकूत संपत्ति कहां से आई है इस पर अभी तक आला अधिकारियों ने जांच नहीं शुरू कराई है कोतवाल के करोड़ों की जमीन खरीद करने के मामले में पुलिस अधिकारियों ने जांच शुरू कराई तो गरीबों का खून चूस कर उन पर जुल्म ज्यादती कर करोड़ों की रकम एकत्रित करने वाले कोतवाल के कारनामे का खुलासा होना तय है और जांच के दौरान कोतवाल पर कठोर कार्रवाई भी हो सकती है लोगों ने पुलिस आला अधिकारियों के साथ योगी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अकूत संपत्ति अर्जित कर करोड़ों की जमीन खरीदने वाले कोतवाल के कारनामे की जांच कराते हुए इन्हें कठोर दंड दिए जाने की मांग की है।

संपादकीय

मदरसा सर्वेक्षण पर राजनीति

उत्तर प्रदेश सरकार मदरसों में शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मदरसों का सर्वे करा रही है । इस सर्वे का विरोध करने के नाम पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दल व संगठन एक बार फिर जीवंत हो उठे हैं । प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य मदरसों को मुख्यधारा में लाना है। सरकार छात्रों व अध्यापकों को शिक्षा के आधुनिक तरीकों से जोड़ने की कवायद कर रही है। मदरसा सर्वे के 12 बिंदु तय किये गये हैं जिसमें मदरसों की गवर्निंग कैसी होती है ? इन्हें पैसे कहां से आते हैं? पाठ्यक्रम क्या है। आदि सवालों का उत्तर देना है। मदरसों के सर्वे के लिए जो फॉर्म बनाया गया है उसमें मदरसे को संचालित करने वाली संस्था का नाम, स्थापना का वर्ष , मदरसा निजी भवन में चल रहा है या किराए के भवन में चल रहा है? क्या मदरसे का भवन छात्रों के लिए उपयुक्त है ? इस फॉर्म में पेयजल ,फर्नीचर, शौचालय आदि सुविधाओं आदि के बारे में भी बताना होगा। मदरसे में शिक्षकों की संख्या का विवरण भी देना है। मदरसों की आय का स्रोत भी बताना होगा। क्या इन मदरसों में पढ़ रहे छात्र कहीं और नामांकित हैं? जैसे सवालों के उत्तर देने हैं। क्या किसी गैर सरकारी संस्था या समूह से मदरसे की संबद्धता है ? अगर हां तो इस संबंध में पूरा विवरण देना होगा। अंतिम कॉलम अभिव्यक्ति का रखा गया है इसमें सर्वे कर्ता तमाम बिन्दुओं पर अपनी टिप्पणी लिख सकते हैं। मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दल व संगठन तथा नेता इस सर्वे का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। मुस्लिम नेताओं व मौलवियों की धमकियों के बावजूद मुख्यमंत्री के आदेशानुसार प्रदेश भर में मदरसों का सर्वे अभी तक शांतिपूर्वक चल रहा है। कुछ मौलाना लगातार उत्तेजक भाषण देकर मुस्लिम समाज को भड़काने का प्रयास लकर रहे हैं। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना रशीदी ने कहा कि वह मदरसों से अपील करते हैं कि नोटिस लेकर आने वाले सर्वे टीम का स्वागत चप्पल -जूते से करें। मदरसों का सर्वे कराने के मुददे पर एआईएमआईएम सांसद अस्सदुदीन ओवैसी और जमीयत उलेमा- ए- हिंद के मौलाना सैयद अरशद मदनी लगातार आग उगल रहे हैं। सांसद असदुदीन ओवैसी जो कि खुद एक बहुत महंगे स्कूल में पढ़े लिखे हैं और उनके परिवार के सभी बच्चे भी मदरसों की शिक्षा से दूर हैं वह भी मुस्लिम समाज के सबसे बड़े हितैशी बनने की चाहत में मुस्लिम समाज को मदरसों के सर्वे के खिलाफ भड़का रहे हैं और इसे छोटा एनआरसी बता रहे हैं। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संगठन विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों और सरकारी स्कूलों के सर्वे की भी मांग उठा रहे हैं। मदरसों के सर्वे का विरोध प्रदेश के वह सभी राजनैतिक दल कर रहे हैं जिनका बड़ा आधार मुस्लिम वोट बैंक रहा है । समाजवदी और बहुजन समाजवादी पार्टी दोनों बयानबाजी में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में हैं । पार्टी के मुस्लिम सांसद और विधायक भी विरोध के नाम पर मुस्लिम समाज को भड़काने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं तथा अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। बसपा नेत्री मायावती ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी के शासन में मुस्लिम समाज का दमन किया जा रहा है। मदरसों की जांच के नाम पर भाजपा की मदरसों पर नजर है। मायावती का कहना है कि पहले कांग्रेस के शासनकाल में इस तरह की संकीर्ण राजनीति के कारण इस समुदाय को तुष्टिकरण की राजनीति का शिकार होना पड़ा और अब यह सिलसिला भाजपा की सरकारों में भी जारी हैं । मायावती का कहना है कि मुस्लिम समाज के शोषित, उपेक्षित व दंगा पीड़ित होने आदि की शिकायतें कांग्रेस के जमाने में आम रही है फिर भी बीजेपी द्वारा तुष्टिकरण के नाम पर संकीर्ण राजनीति करके सत्ता में आ जाने के बाद अब इनके दमन व आर्तकित करने का खेल अनवरत जारी है। जबकि वास्तविकता क्या है यह पूरा प्रदेश व देश जानता है। मुंबई के इस्लामिक संगठन रजा अकाडमी के प्रमुख मौलाना सईद नूरी ने भी सर्वे पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अगर सरकार सभी मदरसों को मान्यता देना चाहती है तो ठीक है लेकिन हकीकत यह है कि सरकार मदरसों का भला नहीं करना चाहती । वह तो मदरसों की आड़ में वातावरण को सांप्रदायिक बनाना चाहती है।

बदरूद्दीन ऐसे बने जॉनी वाकर

अजय कुमार शर्मा

अपने कैरियर की शुरूआत में अभिनय के अच्छे अवसर न मिलने पर बलराज साहनी ने कई तरह के काम किए। उनके दोस्त चेतन आनंद ने अपनी फिल्म कंपनी नवकेतन के बैनर तले बन रही फिल्म बाजी की पटकथा और संवाद लिखने का काम उन्हें सौंपा। पारिश्रमिक तय हुआ चार हजार रुपये। इस फिल्म का निर्देशन कर रहे थे युवा गुरुदत्त की यह पहली फिल्म थी। बलराज को गुरुदत्त की लिखी कहानी कच्ची और धुँधली सी लगी। उन्होंने उसे सजाने-सँवारने के लिए छह महीने का समय माँगा। गुरुदत्त को जल्दी थी लेकिन चेतन की वजह से वह बलराज को कुछ कह नहीं पाए, लेकिन मन-ही-मन कुढ़ते रहे। दोनों के बीच विभिन्न दृश्यों को सुधारने के लिए घंटों बहस होती। आखिर दोनों लोग फिल्म के क्लाइमैक्स (अंतिम दृश्य) को लेकर बुरी तरह उलझ गए। दोनों को कोई राह नहीं सूझ रही थी। इसकी राह निकाली लेखक/निर्देशक जिया सरहदी ने जो बलराज के घर के पास एक होटल में रह रहे थे। जिया ने एक अमेरिकी फिल्म के आधार पर क्लाइमैक्स सुझाया जो गुरुदत्त और बलराज दोनों को बेहद पसंद आया। सोचा गया व्हिस्की मँगाकर खुशी मनाई जाए। तीनों ने अपनी जेबों में हाथ डाले....लेकिन कड़की के मारे...तीनों बेचारे...कहीं कुछ न मिला... खैर...। इस फिल्म में बलराज ने बदरू को ध्यान में रखकर शराबी का एक छोटा सा रोल विशेष तौर पर लिखा था। बदरू यानी बदरूद्दीन से उनकी मुलाकात हलचल फिल्म के सेट पर हुई थी जहाँ वह खाली समय में शराबी, जुआरी और मजमा लगाने वालों की नकल उतारकर सबका मनोरंजन करता था। एक दिन बलराज ने उन्हें डाँटते हुए कहा कि चार रुपयों के लिए तुम यह क्या बंदरों जैसी हरकतें करते रहते हो। तुम्हें शर्म आनी चाहिए। बदरूद्दीन ने सहमते हुए कहा कि शर्म तो आती है लेकिन... तब बलराज ने उनसे वादा किया कि वे उन्हें उनकी काबलियत के मुताबिक काम दिलाएँगे। बलराज जब भी माहिम से गुजरते, बदरू उनकी मोटर-साइकिल रोक उन्हें अपने वादे की याद दिलाते।

भारत जोड़ो यात्रा की राजनीतिक महत्वाकांक्षा

ललित गर्ग

भारत की माटी में पदयात्राओं का अनूठा इतिहास रहा है। असत्य पर सत्य की विजय हेतु मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा की हुई लंका की ऐतिहासिक यात्रा हो अथवा एक मुट्ठी भर नमक से पूरा ब्रिटिश साम्राज्य हिला देने वाला 1930 का डाण्डी कूच, बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा हो अथवा राष्ट्रीय अखण्डता, साम्प्रदायिक सद्भाव और अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व भाव से समर्पित एकता यात्रा, यात्रा के महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय जीवन में पैदल यात्रा को जन-सम्पर्क का सशक्त माध्यम स्वीकारा गया है। ये पैदल यात्राएं सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक यथार्थ से सीधा साक्षात्कार करती हैं। लोक चेतना को उद्बुद्ध कर उसे युगानुकूल मोड़ देती हैं। इनदिनों कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा चर्चा में हैं, यह एक राजनीतिक महत्वाकांक्षा की यात्रा है। केरल के वायनाड के सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पिछले हफ्ते तमिलनाडु से शुरू हुई इस ह्यभारत जोड़ो यात्राह्ल के 150 दिनों की अवधि में कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जानी है। इसका एक बड़ा मकसद 2024 के आम चुनावों की तैयारी माना जा रहा है। इस यात्रा को भारत जोड़ो यात्रा नाम दिया गया है, अच्छा होता भारत को जोड़ने से पहले कांग्रेस पार्टी भीतर से जुड़ जाती। यह पदयात्रा ऐसे वक्त में निकली है, जब पार्टी का जनाधार सिकुड़ा है और तमाम दिग्गज एक-एक करके पार्टी को अलविदा कह रहे हैं, भारत जोड़ो यात्रा के जरिये कांग्रेस पार्टी अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है, यह कोशिश कितनी कामयाब होती है, वक्त बतायेगा। कांग्रेस अपनी बात को किस हद तक लोगों तक पहुंचा पायी है, यह भविष्य के गर्भ में हैं। कांग्रेस की यह पदयात्रा जम्मू-कश्मीर में खत्म होने से पहले बारह राज्यों से गुजरेगी। यात्रा जहां नहीं जायेगी वहां सहायक यात्राएं निकाली जाएंगी। साथ ही हर राज्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। निस्संदेह, पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये अपने जनाधार को विस्तार देने की तैयारी में है। पार्टी का कहना है कि सत्तारूढ़ राजग सरकार के कार्यकाल में सामाजिक ध्रुवीकरण से राष्ट्रीय एकता को खतरा पैदा हुआ है। वहीं महंगाई व बेरोजगारी से त्रस्त समाज को राहत देने की ईमानदार कोशिश नहीं हो रही है। दरअसल, दक्षिण भारत में ध्रुवीकरण की राजनीति प्रभावी न होने के कारण कांग्रेस ने अपनी यात्रा यहां से शुरू करके दक्षिण में अपनी पकड़ मजबूत बनाने की कोशिश की है। दिलचस्प तथ्य है कि पिछले साल फरवरी में जारी सी-वोटर के एक सर्वे के अनुसार, राहुल गांधी तमिलनाडु और केरल में प्रधानमंत्री पद के लिए पसंदीदा उम्मीदवार के तौर पर उभरे थे, जहां दूसरे नेताओं के मुकाबले उनका अंतर भी अच्छा खासा था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए दक्षिण भारत से इस पदयात्रा की शुरूआत करने के पीछे यह भी एक बड़ा मकसद था। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, एक महत्वाकांक्षी राजनीतिक परियोजना है। इससे एक नेता के रूप में उनकी स्वीकार्यता की परीक्षा होगी और देश के मिजाज का पता चलेगा। श्री गांधी ने कहा कि यह यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के मूल्यों के तले सभी भारतीयों को एकजुट करने की कोशिश है, जिसका मूल सिद्धांत विविधता है। प्रश्न है कि धर्म, जाति, सम्प्रदाय के नाम पर देश को जोड़ने की बजाय तोड़ने का काम करने वाली पार्टी का भारत जोड़ो को लक्ष्य एक छलावा है, एक प्रपंच है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मौजूदा सरकार में हिंदुत्व की विचारधारा के साये में यह मूल्य अब खतरे में है। हिंदुत्व के कटु एवं मुखर आलोचक और विविधता और उदारवाद के पैरोकार श्री गांधी, कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए अब तक अपनी सोच के साथ पर्याप्त जन समर्थन नहीं जुटा पाए हैं। इस बीच, हिंदुत्व की विचारधारा इतनी लोकप्रिय हुई कि उसने दिल्ली पर दो बार सत्ता हासिल कर ली। श्री गांधी को इस बात के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है कि वे लगातार सक्रिय रहने की सीमित क्षमता रखने वाले मौसमी राजनेता हैं। उनमें राजनीतिक परिपक्वता का अभाव है, वे देश की जनता से जुड़ी समस्याओं को उठाने में उतने गंभीर नहीं है, जितना उन्हें होना चाहिए। ऐसी राजनीतिक यात्राओं ने इतिहास और यहां तक कि हाल में भी कई नेताओं की किस्मत लिखने और विचारधारा को उर्वर बनाने का काम किया है। महात्मा गांधी से लेकर लालकृष्ण आडवाणी, चन्द्रशेखर तक इस बात की मिसाल हैं। इसलिए श्री गांधी को हर कदम पर उनके प्रशंसकों, आलोचकों और सबसे जरूरी तौर पर खुले विचारों वाले संशयवादियों द्वारा बारीकी से परखा जाएगा। निस्संदेह, हर पदयात्रा के राजनीतिक निहितार्थ होते हैं। महात्मा गांधी ने दांडी यात्रा की शुरूआत ऐसे वक्त में की थी जब देश को आजादी के लिये जोड़ने एवं कांग्रेस में स्फूर्ति लाने की महती आवश्यकता थी। वहीं चंद्रशेखर भी पार्टी के आंतरिक राजनीतिक हालात से क्षुब्ध थे। लालकृष्ण आडवानी ने हिन्दुत्व को मजबूती देने के लिये यात्रा की। कमोबेश कांग्रेस पार्टी ऐसे ही संक्रमणकाल से गुजर रही है। नेतृत्व का प्रश्न भी उसके सामने है। लगातार निस्तेज होती पार्टी में प्राण-संचार करने का लक्ष्य भी है। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे गांधी परिवार के शीर्ष नेताओं से केंद्रीय एजेंसियों की पूछताछ जारी है। अपने लंबे-चौड़े इस्तीफे में गुलाम नबी आजाद ने कहा भी कि देश जोड़ने के बजाय इस समय कांग्रेस को जोड़ने की जरूरत है। सवाल यह भी है कि आगामी 2024 के महासमर में राजग के मुकाबले के लिये विपक्षी एकता के प्रयासों की कड़ी में क्या विपक्षी दलों को भी पदयात्रा में शामिल नहीं किया जाना चाहिए था? इस बीच कुछ अन्य विपक्षी दलों द्वारा भी पदयात्रा शुरू करने की खबरें हैं। भले ही कांग्रेस पदयात्रा का लक्ष्य देश में ध्रुवीकरण से उत्पन्न खतरों से लोगों को अवगत कराना, महंगाई व बेरोजगारी के मुद्दे पर जन दबाव बनाना बताती हो, मगर उसका मुख्य लक्ष्य तो राहुल गांधी की जन स्वीकार्यता में इजाफा करना ही है। भारत जोड़ो यात्रा की टैगलाइन- ह्यमिले कदम, जुड़े वतनह्ल का नारा पार्टी के लिये कितना सार्थक होगा, यह आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन इससे पार्टी संगठन में जान फूंकने में मदद अवश्य मिलेगी।

सवाल
यह भी है कि आगामी 2024 के महासमर में राजग के मुकाबले के लिये विपक्षी एकता के प्रयासों की कड़ी में क्या विपक्षी दलों को भी पदयात्रा में शामिल नहीं किया जाना चाहिए था? इस बीच कुछ अन्य विपक्षी दलों द्वारा भी पदयात्रा शुरू करने की खबरें हैं। भले ही कांग्रेस पदयात्रा का लक्ष्य देश में ध्रुवीकरण से उत्पन्न खतरों से लोगों को अवगत कराना, महंगाई व बेरोजगारी के मुद्दे पर जन दबाव बनाना बताती हो

कांग्रेस ने मई महीने में उदयपुर में संपन्न मंथन सत्र में इस यात्रा की घोषणा की थी। पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए उदयपुर में जो एलान हुए उन उपायों को आजमाए जाने पर ही यह यात्रा ज्यादा उपयोगी साबित होगी। भारत के तटस्थ लोगों की नाराजगी यह है कि सामान्य और प्रतिभाशाली कार्यकताओं की कीमत पर परिवारवादियों ने कांग्रेस पार्टी के भीतर की सत्ता पर कब्जा कर रखा है। उदयपुर के सम्मेलन में पार्टी की अंदरुनी सत्ता में वंशवाद पर अंकुश लगाने का संकल्प लिया गया था, लेकिन अब तक यह कागज पर ही सिमटा हुआ है। कांग्रेस को अपनी परिवारवादी मानसिकता से उपर उठते हुए देश की बुनियादी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान केन्द्रित करना होगा। रोजगार जाने से लोगों की क्रयशक्ति घटी है, करोड़ों लोगों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। महंगाई पर काबू पाने में सरकार विफल साबित हो रही है। आंकड़ों के खेल में जरूर यह कुछ घटती-बढ़ती रहती है, मगर धरातल पर आम लोगों को रोजमर्रा की चीजों के लिए भी बहुत सोच-समझ कर जेब में हाथ डालना पड़ता है। इसलिए यह मुद्दा भी कांग्रेस के लिए हथियार साबित हो सकता है। इसके अलावा किसानों, मजदूरों और भ्रष्टाचार से जुड़े मसले भी हैं, जिन्हें वह गिनाने से नहीं चूक रही। हालांकि महंगाई एक ऐसा मुद्दा है, जो हर विपक्षी दल के लिए सदा से चुनावी हथियार बनता रहा है।

मगर असल बात यह कि ये अस्त्र तभी कारगर साबित हो सकते हैं, जब कांग्रेस अपनी अंदरूनी उथल-पुथल से बाहर निकल कर आम मतदाता का विश्वास जीत सके। रैलियां, आंदोलन और यात्राएं कुछ देर को लोगों को जरूर प्रभावित करती हैं, मगर उनके टिकाऊ होना का दावा तभी किया जा सकता है, जब पार्टी पर लोगों का भरोसा हो।

चीता: कुछ दिलचस्प तथ्य

योगेश कुमार गोयल

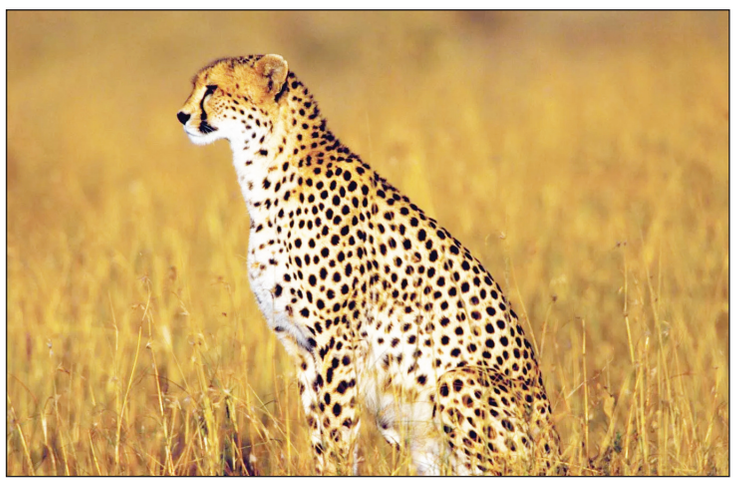

भारत में चीता आखिरी बार 1947 में देखा गया था और 1952 में चीते को भारत में लुप्त घोषित कर दिया गया था। अब चीतों को दोबारा भारत में बसाने की कोशिश हो रही है, जिसकी शुरूआत नामीबिया से भारत में लाए गए 8 चीतों से हो गई है, जिन्हें मध्य प्रदेश के कूना नेशनल पार्क में रखा गया है। 75 वर्ष की बेहद लंबी अवधि के बाद भारत की धरती पर चीतों ने कदम रखा है और ऐसे में चीते की कुछ प्रमुख विशेषताओं को जानना भी दिलचस्प है। अपनी तेज रफ्तार के लिए दुनिया में विख्यात बिल्ली की प्रजाति का जानवर चीता 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जमीन पर सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर है और हर सेकेंड में चार छलांग लगाता है। गति पकड़ने के मामले में चीता स्पोर्ट्स कार से भी तेज होता है, जो मात्र तीन सेकेंड में ही शून्य से 97 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार पकड़ लेता है। पूरी ताकत से दौड़ने पर यह 7 मीटर यानी 23 फुट लंबी छलांग लगा सकता है। हालांकि यह बिल्ली प्रजाति के अन्य जीवों की ही भांति काफी समय सुस्ताते हुए बिताता है।

चीते के बारे में यह तो हर कोई जानता है कि यह दुनिया का सबसे तेज रफ्तार से दौड़ने वाला जानवर है लेकिन यह प्रायः कम लोग ही जानते हैं कि चीते ज्यादा लंबा नहीं दौड़ सकते। चीता बहुत लंबी दूरी तक तेज गति से नहीं दौड़ सकता और यह दूरी प्रायः 450 मीटर से ज्यादा नहीं होती। चीते आमतौर पर दिन के दौरान शिकार करते हैं, जब शेर बहुत सक्रिय नहीं होते हैं। चीता खुले मैदानों में शिकार करने का आदी होता है तथा प्रायः सप्ताह में एक बार ही शिकार करता है और वर्षभर में 50 जानवरों से उसका काम चल जाता है। माना जाता है कि चीता अपने शिकार को छोड़कर नहीं जाता और उसके शिकार में किसी की हिस्सेदारी नहीं होती। शेर और बाघ के मुकाबले चीते बहुत पतले होते हैं। इनके सिर भी काफी छोटे होते हैं, इसके अलावा इनकी कमर पतली होती है। इनके शरीर पर काले धब्बे होते हैं। चीतों के चेहरे पर काली धारियां होती हैं, जो इनकी आंखों के भीतरी कोनों से नीचे मुंह के कोनों तक जाती हैं। जंगली चीतों में नर की उम्र 10-12 वर्ष जबकि मादा की उम्र 14-15 साल तक होती है। मादा चीता की गर्भ अवधि करीब तीन महीने की होती है और वह एक बार में 2-5 चीते को जन्म दे सकती है। चीता बिग कैट फैमिली का अकेला ऐसा सदस्य है, जो दहाड़ नहीं सकता। दरअसल चीते के गले में वह हड्डी नहीं होती, जिससे वह बाघ, शेर या तेंदुए जैसी आवाज निकाल सके। चीते की शारीरिक बनावट बहुत खास होती है। बाघ, शेर, तेंदुए तथा जगुआर की तुलना में इसका सिर काफी छोटा होता है, जिससे तेज रफ्तार के दौरान उसके सिर से टकराने वाली हवा का प्रतिरोध काफी कम हो जाता है। तेज रफ्तार से दौड़ने के लिए चीते की मांसपेशियों को बहुत ज्यादा ऑक्सीजन की जरूरत होती है और इस ऑक्सीजन की सप्लाई को बरकरार रखने के लिए चीते के नथुनों के साथ श्वास नली भी मोटी होती है ताकि वह कम बार सांस लेकर भी ज्यादा ऑक्सीजन शरीर में पहुंचा सके। शेर के मुकाबले चीते का दिल साढ़े तीन गुना बड़ा होता है, जो रक्त को तेजी से पूरे शरीर में पंप करता है तथा इसकी मांसपेशियों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है। इसी कारण दौड़ते समय इसे भरपूर ऑक्सीजन मिलती है। चीते की आंखों के नीचे आंसुओं जैसी काली धारियां होती हैं, जो वास्तव में सूर्य की तेज रोशनी को रिफ्लेक्ट करती हैं, जिससे चीता तेज धूप में भी साफ देख सकता है। इसकी आंखों में इमेज स्टेबिलाइजेशन सिस्टम होता है, जिसके चलते यह तेज रफ्तार में दौड़ते समय भी अपने शिकार पर फोकस बनाए रखता है। इसकी आंख सीधी दिशा में होती हैं, जिस कारण यह कई मील दूर तक भी आसानी से देख सकता है और इसे अंदाजा हो जाता है कि उसका शिकार उससे कितनी दूरी पर है। चीते की 31 इंच यानी 80 सेंटीमीटर तक लंबी पूंछ चीते के लिए रडार का काम करती है, जो अचानक मुड़ने पर बैलेंस बनाने के काम भी आती है। अपने मजबूत पंजों की मदद से चीता दौड़ते समय जमीन पर ग्रिप बनाता है और आगे की ओर आसानी से जंप कर पाता है। दरअसल चीते के पंजे घुमावदार और ग्रिप वाले होते हैं। इतना ही नहीं, अपने पंजे की वजह से ही वह अपने शिकार को कसकर जकड़े रख पाता है। चीते की खोपड़ी पतली हड्डियों से बनी होती है, जिससे इसके सिर का वजन भी कम हो जाता है और हवा के प्रतिरोध को कम करने के लिए चीते के कान बहुत छोटे होते हैं। चीता रात में शिकार नहीं करता है और इस मामले में यह कैट प्रजाति के अन्य जीवों से अलग है। अपने शिकार का पीछा चीता प्रायः 60-70 मीटर के दायरे में ही करता है और अपने शिकार का पीछा वह करीब एक मिनट तक ही करता है। यदि इस दौरान वह अपने शिकार को नहीं पकड़ पाता तो उसका पीछा करना छोड़ देता है। दरअसल यह बहुत तेज रफ्तार से बहुत ज्यादा दूरी तक नहीं दौड़ पाता। चीता अपने पंजे का इस्तेमाल कर शिकार की पूंछ पकड़कर लटक जाता है और उसके बाद वह अपने पंजे के जरिये शिकार की हड्डियां तोड़ देता है। शिकार को पकड़ने के बाद चीता करीब पांच मिनट तक उसकी गर्दन को काटता है ताकि वह मर जाए। हालांकि छोटे शिकार पहली बार में ही मर जाते हैं। हावर्ड में हुई एक रिसर्च के मुताबिक आमतौर पर चीते के शरीर का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस होता है लेकिन रफ्तार पकड़ते ही उसके शरीर का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस हो जाता है। चीते का दिमाग इस गर्मी को नहीं झेल पाता और इसीलिए चीता अचानक से दौड़ना बंद कर देता है।

कुपहल्ली सीतारमैया: अनुशासन प्रिय एवं ओजस्वी व्यक्तित्व के मालिक थे

डॉ उमेश प्रताप वत्स

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरसंघचालक माननीय कुप्पहल्ली सीतारमैया सुदर्शन जी संघ के पांचवें प्रमुख थे जो मार्च 2009 में डॉ मोहन भागवत जी को छठे सरसंघचालक नियुक्त कर स्वेच्छा से पदमुक्त हो गये। सुदर्शन जी एक ओजस्वी, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। सुदर्शन जी अच्छे वक्ता के साथ ही अच्छे लेखक और विचारक भी थे। यद्यपि प्रवास के कारण उन्हें लिखने का समय कम ही मिल पाता था, फिर भी उनके कई लेख विभिन्न पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किये। अपने धाराप्रवाह उद्बोधन में दोहे, कुंडली, श्लोक तथा कविताओं के उद्धरण देकर वे श्रोताओं के मन पर अमिट छाप छोड़ते थे। सुदर्शन जी का आयुर्वेद पर बहुत विश्वास था। लगभग 20 वर्ष पूर्व भीषण हृदयरोग से पीड़ित होने पर चिकित्सकों ने बाइपास सर्जरी ही एकमात्र उपाय बताया सुदर्शन जी ने लौकी के ताजे रस के साथ तुलसी, काली मिर्च आदि के सेवन से स्वयं को ठीक कर लिया। कादम्बिनी के तत्कालीन सम्पादक राजेन्द्र अवस्थी सुदर्शन जी के सहपाठी थे। उन्होंने इस प्रयोग को दो बार कादम्बिनी में प्रकाशित किया। अतः इस प्रयोग की देश भर में चर्चा हुई। के एस सुदर्शन जी मूलतः तमिलनाडु और कर्नाटक की सीमा पर बसे कुप्पहल्ली (मैसूर) ग्राम के निवासी थे। कन्नड़ परम्परा में सबसे पहले गांव, फिर पिता और फिर अपना नाम बोलते हैं। के एस सुदर्शन के पिता श्री सीतारामैया वन-विभाग की नौकरी के कारण अधिकांश समय मध्यप्रदेश में ही रहे और वहीं तत्कालीन मध्यप्रदेश (मौजूदा छत्तीसगढ़) की राजधानी रायपुर ज़िले में एक ब्राह्मण परिवार में 18 जून, 1931 को श्री सुदर्शन जी का जन्म हुआ। आजीवन अविवाहित रहकर संघ के माध्यम से भारत माँ की सेवा में संलग्न रहे। संघ में परंपरा है कि पूर्णकालिक प्रचारक विवाह नहीं करते हैं। उन्होंने भी इस परंपरा का निर्वाह करते हुए सारा जीवन देश और संगठन को समर्पित कर दिया। इनकी प्रारंभिक शिक्षा रायपुर, दामोह, मंडला और चंद्रपुर में हुई। महज 9 साल की उम्र में ही उन्होंने पहली बार आरएसएस शाखा में भाग लिया। उन्होंने वर्ष 1954 में जबलपुर के सागर विश्वविद्यालय (इंजीनियरिंग कालेज) से दूरसंचार विषय (टेलीकाम/ टेलीकम्युनिकेशंस) में बी.ई की उपाधि प्राप्त कर वो 23 साल की उम्र में पहली बार सुदर्शन आरएसएस के पूर्णकालिक प्रचारक बने। सुदर्शन जी ज्ञान के भंडार थे अनेक विषयों एवं भाषाओं के जानकार तथा अद्भुत वक्तृत्व कला के धनी थे। किसी भी समस्या की गहराई तक जाकर, उसके बारे में दूरगामी चिन्तन कर उसका सही समाधान ढूंढ निकालना उनकी विशेषता थी। पंजाब की खालिस्तान समस्या हो या असम का घुसपैठ विरोधी आन्दोलन, अपने गहन अध्ययन तथा चिन्तन की स्पष्ट दिशा के कारण उन्होंने इनके निदान हेतु ठोस सुझाव दिये। पंजाब के बारे में उनकी यह सोच थी कि हिन्दू और सिखों में कोई अंतर नहीं है। हर केशधारी हिन्दू है तथा प्रत्येक हिन्दू दसों गुरुओं व उनकी पवित्र वाणी के प्रति आस्था रखने के कारण सिख है। इस सोच के कारण खालिस्तान आंदोलन की चरम अवस्था में भी पंजाब में गृहयुद्ध नहीं हुआ। इससे आंदोलन के विदेशी आकाओं को बहुत निराशा हुई। वे हर प्रश्न का बिना लाग-लपेट के बहुत ही स्पष्ट उत्तर देते थे। मुझे नागपुर में वर्ग के दौरान उनका सानिध्य मिला।

मैंने प्रश्न किया कि आर्यसमाज के अनुसार हिंदू शब्द सही नहीं है इसका अर्थ तो फारसी में चोर, लुटेरा आदि दिया हुआ है तो उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदू शब्द का अर्थ कोई कैसे भी ले किंतु हम सिंधु से लेते हैं, जिस शब्द से हम एकत्रित हो, हमारे अन्तःकरण में ऊर्जा का संचार हो, वही शब्द हमारे लिए महान है। एक अन्य प्रश्न पूछने पर कि संघ में किस प्रकार के लोगों का आना चाहिए तो बड़ा स्पष्ट व संक्षिप्त उत्तर दिया कि जो निडर हो, डरपोक अपने घर में बैठे। सुदर्शन जी को संघ-क्षेत्र में जो भी दायित्व दिया गया, उसमें अपनी नव-नवीन सोच के आधार पर उन्होंने नये-नये प्रयोग किये। 1969 से 1971 तक उन पर अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख का दायित्व था। इस दौरान ही खड्ग, शूल, छुरिका आदि प्राचीन शस्त्रों के स्थान पर नियुद्ध, आसन, तथा खेल को संघ शिक्षा वर्गों के शारीरिक पाठ्यक्रम में स्थान मिला।

जैव विविधता का संतुलन जरूरी

सृष्टि रचनाकर्ता ने इस खूबसूरत सृष्टि की रचना में जैव विविधता संतुलन का सृजन कर हर जीव की सुरक्षा रक्षा का पूरा लेखा-जोखा कर पर्यावरण और पारिस्थिति की सुरक्षा सुनिश्चित करके सृष्टि में जंगली जानवरों, पशु पक्षियों पौधों की अनेक प्रजातियों सहित 84 लाख योनियों का सृजन किया हैं कि हर योनि को जीवन जीने की सुविधा हो परंतु हम सबसे बुद्धिमान मानवीय जीव जैव विविधता संतुलन को बिगाड़ने और अनेक वन्य जीव प्राणियों को विलुप्त करते पेड़ पौधों को काटते जा रहे हैं जो हमारे और आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत ही भयंकर त्रासदी का कारण बन सकता है। चूंकि 1952 से विलुप्त प्राणी घोषित चीतों की प्रजाति के पुनर्जीवन के लिए नामीबिया दक्षिण अफ्रीका से प्रस्थापन के ऐतिहासिक मिशन के अंतर्गत 8 चीतों को भारत लाया गया है, और संयोग से माननीय पीएम महोदय का जन्म दिवस 17 सितंबर 2022 पर उनके हाथों एमपी के कूनो नेशनल पार्क में भारत की धरती पर आजाद किया जहां एक बार फिर चीतों की आहट सुनाई देगी इसलिए आज हम यह आर्टिकल के माध्यम से इसपर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम चीतों की करें तो, एक समय में भारत में खूब चीते थे, लेकिन हम मानवीय जीवों ने उनका इतना शिकार किया कि वो कम होते चले गए। जंगलों की कटाई और आवास की कमी भी चीतों के खत्म होने का बड़ा कारण बना। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश में कोरिया के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव ने 1947 में देश में अंतिम तीन चीतों को मार डाला था।

राजस्थान में जल्द ही ग्रामीण ओलंपिक की तरह शहरी ओलंपिक खेल भी कराएंगे : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में जल्द ही ग्रामीण ओलंपिक की तरह शहरी ओलंपिक खेल भी कराएंगे। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में सामाजिक सद्भाव बढ़ाने में ऐसे खेल आयोजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। साथ ही, ग्रामीण खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ सकेंगी। जल्द ही ग्रामीण ओलंपिक की तरह शहरी ओलंपिक खेल भी कराएंगे। उन्होंने कहा कि इनसे प्रदेश में खेलों का माहौल बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां न कोई हार है, न कोई जीत। खेल को खेल की भावना से खेलने की जरूरत है। मुख्यमंत्री चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा स्थित महाविद्यालय मैदान में ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचन्द स्टेडियम योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में चरणबद्ध रूप से खेल स्टेडियम बनाए जाएंगे। गहलोत ने कहा कि राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक एक शानदार पहल है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण ओलम्पिक में लगभग 30 लाख खिलाड़ियों ने भाग लिया तथा दो लाख से ऊपर टीमें बनी। इसमें 10 लाख महिला खिलाड़ी भी शामिल थी। उन्होंने कहा कि इन खेलों का आयोजन हर साल होगा तथा अगली बार और बड़ी संख्या में खिलाड़ी भाग लेंगे।

सबसे महंगी टिकट 22 हजार की: भारत-दक्षिण अफ्रीका वन डे के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

लखनऊ । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच छह अक्टूबर को लखनऊ में खेले जाने वाले पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए आनलाइन टिकटों की आनलाइन बिक्री शुक्रवार शाम से शुरू हो गई। टिक 1200 रुपए से लेकर 22 हजार तक में उपलब्ध होगी। दोनों टीमों के बीच तीन एक दिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ के अटल बिहारी इकाना अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेला जाना है। लगभग 50 हजार दर्शक क्षमता वाले स्टेडियम में मैच को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं। यूपीसीए के कार्यवाहक सीईओ अंकित चटर्जी ने बताया कि संघ के टिकटिंग पाटर्नर पेटीएम के जरिए आज शाम 6 बजे से आनलाइन टिकटों की बिक्री शुरू की गई है, जबकि आनलाइन खरीद में रुचि न रखने वाले दर्शकों के लिए टिकट विशेष तौर पर इकाना स्टेडियम के गेट नंबर दो स्थित काउंटर से टिकट 2 और 3 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम सात बजे तक उपलब्ध होंगे। गौरतलब है कि वन-डे सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका मेजबान भारत के साथ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी जिसमें 28 सितंबर को तिरवंथपुरम, दो अक्टूबर को गुवाहटी और चार अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। लखनऊ में पहला वन डे खेलने के बाद भारतीय टीम नौ अक्टूबर को रांची में और 11 अक्टूबर को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से लोहा लेगी।

मुझे डर है कि पाकिस्तान कहीं विश्व कप के पहले राउंड से ही बाहर न हो जाए : शोएब अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टी 20 विश्व कप 2022 के लिए चुनी गई पाकिस्तानी टीम को लेकर निराशा व्यक्त की है। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आगामी मेगा इवेंट के लिए अपनी टीम की घोषणा की। टीम का नेतृत्व बाबर आजम करेंगे, जबकि शादाब खान उनके डिप्टी होंगे।चयनकर्ताओं को आड़े हाथ लेते हुए अख्तर ने कहा कि पाकिस्तान की बल्लेबाजी के मध्यक्रम में गहराई नहीं है। उन्हें डर है कि टीम ऑस्ट्रेलिया में टीम कहीं पहले ही दौर से ही न बाहर हो जाए। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, इस मध्य क्रम के साथ पाकिस्तान कहीं पहले राउंड से बाहर न हो जाए। मुझे इस चिज का बड़ा डर है कि पाकिस्तान की जो बल्लेबाजी एक्सपोज हुई है, इसमे कोई गहराई नहीं है। इस मध्य क्रम के साथ मुझे डर है कि पाकिस्तान पहले दौर से ही बाहर हो सकता है। अख्तर ने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट के लिए कठिन समय आ रहा है। मैं वास्तव में चाहता हूं कि पाकिस्तान इससे बेहतर चयन करता। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान इस टीम के साथ आगे बढ़ने का प्रबंधन करता है, तो मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, लेकिनमुझे उनकी बल्लेबाजी में गहराई नहीं दिख रही है।

श्रीलंका ने टी-20 विश्वकप 2022 के लिए घोषित की टीम, 5 प्लेयर रखे स्टैंडबाई में

कोलंबो। आस्ट्रेलिया में अगले महीने खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप टूर्नामेंट के लिए श्रीलंका ने अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। चोट की समस्या से जूझ रहे दुष्मांथा चामीरा और लहीरू कुमारा को टीम में जगह मिली है, हालांकि उन्हें टूर्नामेंट के लिए फिटनेस साबित करनी होगी। अशीन बंडारा, प्रवीण जयविक्रमा, दिनेश चांदीमल, बिनूरा फरनांडो और नुवांडू फरनांडो के नाम भी स्टैंडबाई खिलाड़ी के तौर पर शामिल किए गए है जबकि जयविक्रमा टीम के साथ आस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरेंगे।

हाल ही में संपन्न एशिया कप जीतने वाली श्रीलंका टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को विश्व कप में खेलने का मौका दिया गया है। एशिया कप में पदार्पण करने वाले मथीशा पथिराना विश्व कप टीम में जगह बनाने से चूक गए

हैं। एशिया कप टी-20 में अपनी छाप छोडने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज दिलशान मधुशंका ने विश्व कप टीम में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है।टीम के मुख्य तेज गेंदबाज चमीरा घुटने की चोट से अभी पूरी तरह नहीं उबर सके हैं और उनकी वापसी माह के अंत में होने वाले फिटनेस टेस्ट से तय होगी।

इसी तरह चोटग्रस्त लहीरू कुमारा के भी खेलने को लेकर संशय बरकरार है। टीम में हालांकि तेज गेंदबाजी के विकल्प के तौर पर मधुशंका, प्रमोद मदूशन और चामीका करूणारत्ने मौजूद हैं।

श्रीलंका की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

दासुन शनाका (कप्तान), दनुष्का गुणथिलका, पथुम निस्सांका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, भानुका राजपक्षे, धनंजया डी सिल्वा, वनिन्दु हसरंगा, महेश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, चमिका करुणारत्ने, दुष्मंथा चमीरा (फिटनेस के अधीन), लहीरू कुमारा (फिटनेस के अधीन), दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन

स्टैंडबाई : अशीन बंडारा, प्रवीन जयविक्रमा, दिनेश चांदीमल, बीनूरा फरनांडो, नुवांदू फरनांडो।

ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप : अर्जुन की डेविड पर शानदार जीत

नई दिल्ली। 8 करोड़ रुपेय की पुरुष्कार राशि वाली चेस डॉट कॉम की ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप में भारत के नंबर 2 शतरंज खिलाड़ी अर्जन एरिगासी नें रूस के डेविड परावयन को पराजित करते हुए अंतिम 32 में जगह बना ली है और अब अगले राउंड में उनके सामने पूर्व विश्व कप विजेता अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव होंगे । बेस्ट ऑफ चार रैपिड राउंड में अर्जुन नें पहले मुक़ाबले में सफ़ेद मोहरो से इंडियन ओपनिंग में मात्र 30 चालों में जीत हासिल की जबकि दूसरे मुक़ाबले में काले मोहरो से सेमी स्लाव ओपनिंग में 66 चालों में जीत दर्ज कर 2-0 से बढ़त हासिल की । अगले दौर में जाने के लिए अर्जुन को सिर्फ आधा अंक चाहिए था और सफ़ेद मोहरो से खेल रहे अर्जुन को पेट्रोफ डिफेंस में डेविड 128 चालों तक कोशिश करने के बाद भी आधा अंक बनाने से नहीं रोक पाये और अर्जुन नें 2.5-0.5 से मैच लिया ।

भारत टी-20 विश्व कप के टॉप-4 में पहुंचेगा, हार्दिक पंड्या निभाएंगे मुख्य भूमिका : ब्रेसनन

कोलकाता। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर टिम ब्रेसनन का कहना है कि भारतीय हरफनमौला हार्दिक पंड्या को और अधिक परिपक्व होने की जरूरत है। ब्रेसनन को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी-20 विश्व कप में पंड्या टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। 'लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी)' के दूसरे सत्र में 'भीलवाड़ा किंग्स' का प्रतिनिधित्व करने को तैयार ब्रेसनन ने कहा कि टीम के संतुलन के लिए तेज गेंदबाजी हरफनमौला का होना जरूरी है। इससे टीम एक क्रिकेटर से दो खिलाड़ियों की कमी पूरी करती है। पंड्या को कार्यभार

प्रबंधन के तहत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से विश्राम दिया गया है।

ब्रेसनन से पंड्या के विश्राम का समर्थन करते हुए कहा- ऐसे खिलाड़ी पूरे मैच के दौरान सक्रिय रहते है, ऐसे में यह शारीरिक रूप से काफी मुश्किल होता है। तेज गेंदबाज हरफनमौला खिलाड़ी खरे सोने की तरह होते है। ब्रेसनन ने एशिया कप के मैचों को नहीं देखा लेकिन उन्होंने टी-20 विश्व कप के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने का दावेदार माना।ब्रेसनन ने कहा कि भारत के अलावा टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीम अंतिम चार में पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि आप भारत को हल्के में नहीं ले सकते। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीमें खिताब जीतने की दावेदार होंगी। भारत और पाकिस्तान के पास भी अच्छा मौका होगा। श्रीलंका ने एशिया कप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में अंदाजा लगाना मुश्किल है कि किस दिन कौन कैसा प्रदर्शन करेगा।

इंग्लैंड की टीम में जेसन रॉय और जॉनी बेयरस्टो जैसे खिलाड़ी नहीं होंगे लेकिन ब्रेसनन ने कहा कि जोस बटलर की अगुवाई वाली टीम टूर्नामेंट की सबसे संतुलित टीमों में एक है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम का बल्लेबाजी क्रम शानदार है। अगर हमारे तेज गेंदबाज फिट रहते है तो यह टीम के लिए अच्छा होगा। इंग्लैंड ने हर विभाग को मजबूत किया है।

चैरिटी मैच में इरफान पठान के 3 छक्कों से इंडियन महाराज 6 विकेट से जीता

नई दिल्ली। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी)' से पहले 'चैरिटी' मैच में इंडियन महाराज ने वर्ल्ड जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। कोलकाता के ईडन गार्डन में खेले गए मुकाबले में वर्ल्ड जायंट्स ने पहले खेलते हुए केविन ओ ब्रायन के अर्धशतक और दिनेश रामदीन के 42 रनों की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए थे। जवाब में इंडियन महाराज ने 19वें ओवर में 6 विकेट से मैच जीत लिया। इंडियन की ओर से युसूफ पठान 35 गेंदों में अर्धशतक बनाने में सफल रहे। इसी तरह तन्मय श्रीवास्तव ने भी 39 गेंदों में 54 रनों का योगदान दिया। अंत में इरफान पठान ने तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस मैच का मकसद पूर्व दिग्गज कपिल देव की एनजीओ खुशी फाउंडेशन के लिए रकम जुटाना रहा। खुशी फाउंडेशन लड़कियों की शिक्षा के लिए काम करती है।

टीम वर्ल्ड जायंट्स (पहली पारी)

टीम वर्ल्ड जायंट्स की ओर से ओपनिंग पर कोविन ओ ब्रायन के साथ हैमिल्टन मासाकादजा आए। इंडियन महाराजा की ओर से इरफान पठान ने पहली ओवर फेंकी। फिलहाल दोनों ओपनर्स ने पहले पांच ओवर में टीम का स्कोर 46 पर

ला खड़ा किया है। छठे ओवर में पंकज सिंह ने मासाकादजा को 18 रन पर आऊट किया।

केविन ओ ब्रायन ने एक छोर संभालकर शॉट लगाने जारी रखे। उन्होंने 30 गेंदों में नौ चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन पूरे किए। केवन को जोगिंदर शर्मा ने हरभजन के हाथों कैच आऊट करवाया। कप्तान जैक कैलिस कुछ खास नहीं कर पाए और 14 गेंदों में 12 रन बनाकर हरभजन की गेंद पर बोल्ड हो गए।

इस बीच मध्यक्रम बल्लेबाज दिनेश रामदीन और थिसारा परेरा ने टीम को मुश्किल स्थिति से उभारा। रामदीन ने 29 गेंदों में पांच चौके और एक छक्केकी मदद से 42 रन बनाए तो थिसारा ने 16 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 23 रन बनाए।

इंडियन महाराज (दूसरी पारी)

इंडिया महाराज की शुरूआत खराब रही। सबकी नजरें वीरेंद्र सहवाग पर टिकी हुई थीं। उन्होंने पहली ओवर में एक चौका लगाया तो वहीं दूसरा लगाने के चक्कर में तैबू के हाथों लपके गए। सहवाग सिर्फ चार ही रन बना पाए। इसके बाद पांचवें ओवर में पार्थिव पटेल भी 18 रन बनाकर आऊट हो गए। 34 रन पर दो विकेट गिर जाने के बाद मोहम्मद कैफ मैदान पर आए। वह 12 गेंदों में 11 रन बनाकर टिम ब्रेसनन का शिकार हो गए। हालांकि इसके बाद तन्मय श्रीवास्तव और यूसुफ पठान ने पारी को आगे बढ़ाया और 17 ओवर में स्कोर 153/3 ले गए। श्रीवास्तव के आऊट होने के बाद युसूफ पठान ने अपना अर्धशतक पूरा किया।

यूसुफ ने अपनी पारी में 35 गेंदें खेलकर पांच चौके और दो छक्के लगाए। क्रीज पर आए इरफान पठान ने आते ही बड़े शॉट लगाए। उन्होंने 9 गेंदों में तीन छक्के लगाकर 20 रन बनाए और अपनी टीम को 19वें ओवर में छह विकेट से जीत दिला दी।

रांची में भारत और दक्षिण अफ्रीका का एक दिवसीय क्रिकेट मैच नौ अक्टूबर को

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएसएसीए) स्टेडियम में नौ अक्टूबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा एक दिवसीय क्रिकेट मैच खेला जायेगा। इस मैच को लेकर टिकटों की बिक्री छह से आठ अक्टूबर तक होगी। वन डे मैच का सबसे महंगा टिकट 10 हजार और सस्ता टिकट 1100 रुपये का होगा। टिकट की बिक्री छह अक्टूबर को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक पश्चिम गेट के टिकट काउंटर से होगी। दोपहर एक बजे से दो बजे तक लंच रहेगा। एक व्यक्ति केवल तीन टिकट खरीदने के लिए पात्र होगा और खरीदार के लिए टिकट खरीदते समय अपने आधार कार्ड की एक प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन ने वेब पोर्टल www.insider.in के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बेचने का फैसला किया है।

एफआईएच राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर के लिए नामित होना मेरे लिए बड़ा पल : मुमताज खान

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी में वर्तमान में सबसे उज्ज्वल संभावनाओं में से एक, मुमताज खान उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें एफआईएच स्टार अवार्ड्स 2021-22 के लिए नामित किया गया है। मुमताज खान को एफआईएच हॉकी स्टार अवार्ड्स 2021-22 में राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर (महिला) के लिए नामित किया गया है।

अपने नामांकन के बारे में बोलते हुए, मुमताज ने कहा, 'मैं एफआईएच राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर (महिला) के पुरस्कार के लिए नामित होने पर बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है और वह भी मेरे करियर की शुरुआत में।

यह उपलब्धि हालांकि मेरी नहीं है बल्कि पूरी टीम के साथ मिलकर काम करने का परिणाम है। इस तरह की मान्यता बहुत प्रेरक है। युवा फारवर्ड भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में सबसे प्रतिभाशाली अटैकर

खिलाड़ियों में से एक हैं, मुमताज 2022 एफआईएच जूनियर विश्व कप में शीर्ष स्कोरर थीं, जहां उन्होंने कुल मिलाकर 8 गोल किए। भारत टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहा।

मुमताज ने कहा, '2022 एफआईएच जूनियर विश्व कप एक कठिन टूर्नामेंट था लेकिन हमने अच्छा खेला और मैं इस तथ्य से खुश हूं कि मैंने इतने गोल किए। लेकिन अगर हम पदक जीतते तो मुझे खुशी होती।

जडेजा का उपलब्ध नहीं होना टीम इंडिया के लिए बड़ा नुकसान : महेला जयवर्धने

नई दिल्ली। अखिल भारतीय वरिष्ठ चयन समिति ने इस सप्ताह की शुरुआत में टी 20 विश्व कप टीम की घोषणा की थी। जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल ने टीम में वापसी की है, वहीं, रवींद्र जडेजा टीम का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि वह एशिया कप के दौरान चोटिल हो गए थे और फिर उनकी सर्जरी हुई थी। श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने कहा है कि जडेजा का उपलब्ध नहीं होना टीम इंडिया के लिए 'बड़ा नुकसान' होगा।

जयवर्धने ने आईसीसी समीक्षा पर कहा, यह एक चुनौती है। जडेजा ने नंबर 5 पर अच्छी तरह से अपनी भूमिका निभाई थी। वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था। जडेजा और हार्दिक पांड्या ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम में बहुत अधिक लचीलापन ला दिया था।

उन्होंने कहा, भारत के लिए बाएं हाथ के बल्लेबाज का न होना चिंता का विषय है। उन्होंने दिनेश कार्तिक को बाहर करने और ऋषभ पंत को उस भूमिका में लाने के लिए

स्विच किया है, जो 5 या 4 पर बल्लेबाजी करते हैं। विश्व कप में जाने के लिए उन्हें कुछ चीजों से समझौता करना होगा। लेकिन जडेजा का नहीं होना, टीम के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

भारत के लिए एक सकारात्मक बात विराट कोहली की फॉर्म है। कोहली ने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था और अफगानिस्तान के खिलाफ खेलते हुए अपना पहला टी20 शतक लगाया था, जो नवंबर 2019 के बाद कोहली का पहला अंतरराष्ट्रीय शतक था।

जयवर्धने ने कहा, कोहली का फॉर्म में आना अच्छा है। लगातार रन नहीं होने से भी मुश्किल होती है, उन्हें आत्मविश्वास को पाने के लिए एक अच्छी पारी की जरूरत थी और एशिया कप में उन्होंने न सिर्फ अच्छी पारी खेली, बल्कि खोया आत्मविश्वास भी हासिल किया।

> *जयवर्धने ने आईसीसी समीक्षा पर कहा, यह एक चुनौती है। जडेजा ने नंबर 5 पर अच्छी तरह से अपनी भूमिका निभाई थी। वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था।*

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 के पहले दौर में हारकर बाहर हुए रवि दहिया

बेलग्रेड। टोक्यो ओलंपिक 2020 के रजत पदक विजेता रवि कुमार दहिया सर्बिया के बेलग्रेड में चल रहे विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 के पहले दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व एशियाई चैंपियन गुलोमजोन अब्दुल्लाव से हारकर बाहर हो गए। 2019 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता दहिया ने 57 किग्रा क्वालिफिकेशन राउंड में रोमानिया के रजवान मैरियन कोवाक्स को तकनीकी श्रेष्ठता के माध्यम से 10-0 से हराकर दिन की शुरुआत की।

हालांकि, वह दिन के अपने दूसरे मुकाबले में 2020 के एशियाई चैंपियन उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लाव से 10-0 से हार गए।

हालांकि इसके बाद रवि के कांस्य पदक की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया, क्योंकि अब्दुल्लाव दिन में फाइनल में जगह बनाने में नाकाम

रहे। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के चैंपियन नवीन मलिक भी 70 किग्रा ब्रॉन्ज मेडल बाउट में वर्ल्ड नंबर 1 एर्नाजर अकमातालिव से 4-1 से हारने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गए। युवा सागर जगलान ने 74 किग्रा वर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता के माध्यम से इजरायल के मिशेल लुइस फिनसिल्वर और मैक्सिको के डिएगो एंटोनियो सैंडोवल जर्को के खिलाफ अपने मुकाबले जीते।

हालांकि, 18 वर्षीय सागर क्वार्टर फाइनल में टोक्यो 2020 कांस्य पदक विजेता और तीन बार के विश्व चैंपियन यूएसए के काइल डैक से हार गए। इसके बाद डैक ने सेमीफाइनल में मौजूदा एशियाई चैंपियन ईरान के योन्स अलीकबर इमामीचोघई को हरा दिया, जिससे सागर जगलान रेपेचेज दौर में पहुंच गए और अब वो कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे।

जिनपिंग की शहबाज से अपील- पाकिस्तान में चीन के नागरिकों को दें सुरक्षा

समरकंद। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से सीपीईसी परियोजनाओं के तहत काम कर रहे सैकड़ों चीनी नागरिकों को पुख्ता सुरक्षा मुहैया करने की अपील की है। उज्बेकिस्तान के समरकंद में शहबाज शरीफ से मुलाकात के दौरान चिनफिंग ने चीन और पाकिस्तान के बीच विकास रणनीतियों में मजबूत तालमेल बनाने पर भी जोर दिया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों देशों ने रेलवे, ई-कॉमर्स और अन्य क्षेत्रों में सहयोग से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। शी जिनपिंग ने चीनी कर्मियों पर हुए आतंकी हमलों को लेकर चिंता जताते हुए शहबाज शरीफ से कहा कि चीन आशा करता है कि पाकिस्तान चीनी नागरिकों और प्रतिष्ठानों को अपने यहां पुख्ता सुरक्षा मुहैया कराएगा तथा चीन के कारोबार के वैध हितों की रक्षा करेगा।'' चीन ने पाकिस्तान में 60 अरब डॉलर की लागत वाले चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं में अपने सैकड़ों कर्मियों को काम पर लगा रखा है। हालिया खबरों में कहा गया है कि चरमपंथी समूहों द्वारा समय-समय पर किये जाने वाले हमलों से चीनी कर्मियों को बचाने में पाकिस्तान की बढ़ती नाकामी के कारण दोनों मित्र देशों के बीच तनाव पैदा हो रहा है।

पाकिस्तान में किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में चीनी नागरिक गिरफ्तार

इस्लामाबादः पाकिस्तान में एक किशोरी का कई महीनों तक यौन शोषण करने के आरोप में चीन के एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय अखबार 'डॉन' में प्रकाशित खबर के अनुसार, चीन के नागरिक के साथ बतौर अनुवादक काम कर रही 16-वर्षीय एक लड़की की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अखबार ने किशोरी की शिकायत के हवाले से कहा, काम शुरू करने के तुरंत बाद ही आरोपी ने पीड़िता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। खबर के मुताबिक, आरोपी ने इस साल जनवरी में किशोरी का यौन उत्पीड़न किया और लगातार उससे दुष्कर्म करता रहा। आरोपी ने पीड़िता को शिकायत दर्ज करवाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। हालांकि, लड़की गर्भवती हो गई, लेकिन उसने अपने परिवार से इस बात को छिपाए रखा। प्राथमिकी के अनुसार, पीड़िता की बड़ी बहन ने उसकी हालत पर गौर किया और उसे एक निजी अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने बताया कि किशोरी 31 सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती है । इसके बाद पीड़िता ने परिजनों के साथ पुलिस से संपर्क किया ।पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को गिरफ्तार करने के साथ ही उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया है। खबर के मुताबिक, डीएनए मिलान करने के मकसद से आरोपी और पीड़िता की चिकित्सीय जांच की गई है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान संदिग्ध ने किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बनाने की बात कबूल की, लेकिन उसने दुष्कर्म करने के आरोप से इनकार किया।

महारानी के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे चीन के उपराष्ट्रपति, ब्रिटिश सांसदों ने किया विरोध

बीजिंगः चीन ने शनिवार को घोषणा की है कि उपराष्ट्रपति वांग किशान महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति शी चिनफिंग के विशेष प्रतिनिधि के तौर पर शामिल होंगे। चीन द्वारा प्रतिबंधित किए गए ब्रिटिश सांसदों के एक समूह ने अंतिम संस्कार के लिए चीनी सरकार को आमंत्रित किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। एक सांसद ने कहा कि चीन के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र शिनजियांग में उइगर मुस्लिमों से दुर्व्यवहार और मानवाधिकार उल्लंघनों को देखते हुए निमंत्रण रद्द किया जाना चाहिए। शी के करीबी वांग सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सात सदस्यीय शक्तिशाली पोलितब्यूरो स्थायी समिति के 2012 से लेकर 2017 तक सदस्य रहे।उस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की थी। वांग को 2018 में उपराष्ट्रपति नामित किया गया और वह अक्सर शी की ओर से कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। चीन में उपराष्ट्रपति का पद व्यापक रूप से रस्मी होता है।

डेढ़ करोड़ से ज्यादा बच्चों के लिए मुसीबत बनी बाढ़, अब तक 528 की मौत, कई लापता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आई बाढ़ डेढ़ करोड़ से ज्यादा बच्चों के लिए मुसीबत का सबब बन चुकी है। कुदरत के इस प्रकोप के चलते अब तक 528 बच्चों की तो मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान के 34 लाख बच्चे जिंदगी और मौत के मुहाने पर संघर्ष कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के प्रतिनिधि अब्दुल्ला फादिल के मुताबिक पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों में कुपोषित बच्चे दस्त, डेंगू बुखार और पीड़ादायक चर्म रोगों से जूझ रहे हैं। अब तक 528 बच्चों की मौत हो चुकी है। विनाशकारी बाढ़ का सीधा असर 1.60 करोड़ बच्चों पर पड़ा है और इनमें से 34 लाख को तत्काल मदद की जरुरत है। यहां

छोटे बच्चे अपने परिवार के साथ खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। ये बच्चे पीने के पानी, भोजन और परिवार की आजीविका खोने के कारण नए जोखिमों और खतरों का सामना कर रहे हैं। स्कूल व अस्पताल जैसे बुनियादी ढांचे तो नष्ट हुए ही हैं, वहीं अपने टूटे घरों के पानी में डूबने की चिंता लोगों को खाए जा रही है। जो लोग इस कुदरती आपदा से अभी तक बचे हुए हैं, उन पर पानी में मौजूद सांप-बिच्छुओं के काटने का खतरा मंडरा रहा है।

यूनिसेफ के प्रतिनिधि ने साफ कहा कि यदि तत्काल कोशिशें नहीं की गईं तो कई और बच्चे अपनी जान गंवा सकते हैं। बहुत सी माताएं खून की कमी से जूझ रही हैं और वे अपने बच्चों का पालन-पोषण में असमर्थ हैं। बाढ़ में लापता बच्चों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं, सिर्फ सिंध के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ही एक दिन में 90 हजार से अधिक लोगों में संक्रामक व जलजनित बीमारियों का पता चला है।

पाकिस्तान में पोलियो से 6 महीने के बच्चे की मौत

इस्लामाबादः पाकिस्तान में हाल ही में पोलियो वायरस के चलते 6 महीने के बच्चे की मौत हो गई। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बच्चा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कबायली जिले दक्षिणी वजीरिस्तान से था। अगस्त में उसे पक्षाघात (पैरालाइसिस) हुआ था। पाकिस्तान में इस साल पोलियो के कुल 19 मामले सामने आ चुके हैं। सभी मामले खैबर पख्तूनख्वा से सामने आए हैं। इनमें से लक्की मरवत से दो, उत्तरी वजीरिस्तान से 16 और दक्षिणी वजीरिस्तान से एक मामला सामने आया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही ऐसे देश हैं, जहां पोलियो की बीमारी अब भी मौजूद है। हाल के वर्षों में चरमपंथियों ने टीकाकरण टीम को निशाना बनाकर हमले किए हैं, जिसके चलते पाकिस्तान में पोलियो के उन्मूलन के प्रयासों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। अभियान का विरोध करने वालों का दावा है कि पोलियो की बूंदों के कारण बांझपन होता है।

हिजाब न पहनने पर इतना टार्चर किया कि गई जान :ईरान पुलिस ने गिरफ्तार किया था, परिवार ने प्रताड़ना का आरोप लगाया

तेहरान। ईरान में एक युवती की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई। पुलिस ने उसे हिजाब नहीं पहनने के लिए गिरफ्तार किया था। ईरान की कट्टरपंथी सरकार ने महिलाओं के लिए हिजाब पहनना मेंडेटरी कर दिया है। यहां जो महिलाएं इस आदेश का पालन नहीं कर रहीं हैं, उन्हें गिरफ्तारी के बाद टॉर्चर किया जा रहा है।

ताजा मामला 13 सितंबर का है। 22 साल की महसा अमिनी अपने परिवार से मिलने तेहरान आई थी। उसने हिजाब नहीं पहना था। पुलिस ने तुरंत महसा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 3 दिन बाद, यानी 16 सितंबर को उसकी मौत हो गई। इसके बाद मामला सुर्खियों में आया।

सिर पर चोट लगने से मौत की आशंका

ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमिनी गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही कोमा में चली गई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। परिवार का कहना है कि महसा को कोई बीमारी नहीं थी। उसकी हेल्थ बिल्कुल ठीक थी। हालांकि, उसकी मौत सस्पीशियस (संदिग्ध) बताई जा रही है।

रिपोर्ट्स में कहा गया- महसा के पुलिस स्टेशन पहुंचने और अस्पताल जाने के बीच क्या हुआ यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। ईरान में हो रहे ह्यूमन राइट्स वायलेशन पर नजर रखने वाली चैनल ने कहा कि अमिनी की मौत सिर पर चोट लगने से हुई।

न्याय की मांग

मानवाधिकारों के लिए लड़ने वाली संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा- पुलिस पर टॉर्चर के आरोप लगे हैं। 22 साल कि महसा की पुलिस हिरासत में मौत की जांच होनी चाहिए।

पुलिस ने जबरन हिजाब कानून लागू करवाने के लिए उसे गिरफ्तार किया। 3 दिन कस्टडी में रखा। बाद में उसकी मौत हो गई।

ईरान में अमेरिकी दूत रॉबर्ट मैले ने कहा- हिरासत में महसा को चोट आई जिससे उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के लिए जिम्मेदार ऑफिसर्स को सजा होनी चाहिए।

ईरान को महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचरों को रोकना चाहिए। ईरानी वकील सईद देहगन ने अमिनी की मौत को हत्या बताया। उन्होंने कहा- उसे सिर पर चोट लगी जिससे उसका सिर फ्रैक्चर हो गया। वो कोमा में चली गई और उसकी मौत हो गई।

चीन के चांग्शा में 42 मंजिल इमारत में लगी आग : 36 फायर टेंडर और 280 फायर फाइटर्स मौके पर पहुंचे; कोई हताहत नहीं

सियोल। चीनी शहर चांग्शा में एक 42 मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। इस बिल्डिंग में सरकारी टेलिकोम कंपनी समेत कई अन्य कंपनियों के दफ्तर थे। हालांकि घटना में अभी किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए घटनास्थल पर 36 फायर टेंडर और 280 फायर फाइटर्स मौजूद हैं। कुछ घंटों बाद आग पर काबू पा लिया गया।

CCTV में कैद हुआ वीडियो

बिल्डिंग में आग लगने का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इस वीडियो में बिल्डिंग से आग की लपटें और काला धुंआ आसमान में उड़ता दिखाई दे रहा है। वीडियो में यह भी दिखाई दे रहा है कि बिल्डिंग के बाहर का हिस्सा पूरी तरह से

काला हो गया है।

चांग्शा शहर की आबादी करीब एक करोड़ है

बिल्डिंग से धुंआ निकलने पर आस-पास के लोगों को पता चला और उन्होंने फायर फाइटर्स बुलाया। हुनान प्रांत की राजधानी चांग्शा की आबादी करीब एक करोड़ है। इस बिल्डिंग में राज्य के स्वामित्व वाली दूरसंचार कंपनी चाइन टेलीकोम का कार्यालय भी था।

यूक्रेन को लेकर विश्व की चिंता दर्शाती है भारत-चीन की टिप्पणी : ब्लिंकन

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिकंन ने कहा कि भारत और चीन के नेताओं द्वारा यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष अपनी चिंताएं व्यक्त करना यह दिखाता है कि विश्व इस आक्रमण के असर को लेकर फिक्रमंद है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत में यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त करने पर जोर देते हुए कहा कि ''आज का युग युद्ध का नहीं है। फरवरी में यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों नेताओं के बीच पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई है। समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर एक द्विपक्षीय बैठक में मोदी ने यूक्रेन में अस्थिरता को जल्द से जल्द समाप्त करने का आह्वान करते हुए ''लोकतंत्र, संवाद और कूटनीति के महत्व को रेखांकित किया।

ब्लिंकन ने एक संवाददाता सम्मेलन में श्कहा, ''आप चीन, भारत से जो सुन रहे हैं, वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का न केवल यूक्रेन के लोगों बल्कि पूरी धरती के लोगों और देशों पर असर को लेकर विश्व की चिंता दिखाता है। उन्होंने कहा, ''यह केवल यूक्रेन और उसके लोगों पर आक्रमण नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांतों पर आक्रमण है, जो शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में मदद करते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री यूक्रेन में युद्ध को लेकर चीन तथा भारत के नेताओं द्वारा सीधे पुतिन के समक्ष चिंता व्यक्त करने के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। ब्लिंकन ने कहा, ''हमने हाल के महीनों में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने पर काफी ध्यान केंद्रित किया और काफी वक्त लगाया है।

ये चुनौतियां रूस के आक्रमण से बहुत ज्यादा बढ़ गयी हैं। हम पहले ही कोविड से ग्रस्त रहे, हमने जलवायु परिवर्तन की मार झेली, जिसका खाद्य सुरक्षा पर गहरा असर पड़ा है। इस युद्ध के कारण अब हमारे 20 करोड़ से अधिक लोग खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं उन्होंने कहा, ''दुनियाभर के नेता यह महसूस कर रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि आप जो देख रहे हैं वह इस बात की अभिव्यक्ति है यह पूरी धरती के लोगों के हितों के खिलाफ हमला है और मुझे लगता है कि यह रूस पर युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ाता है। इस बीच, अमेरिका की मुख्यधारा की मीडिया ने भी प्रधानमंत्री मोदी की पुतिन को यह कहने के लिए तारीफ की कि यह यूक्रेन में युद्ध का वक्त नहीं है।

एमनेस्टी का दावा-तालिबान ने क्रूरता से मार डाले अल्पसंख्यक शिया परिवार के छह लोग

समरकंद । एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने अफगानिस्तान में अल्पसंख्यक शिया परिवार के उन छह सदस्यों के बारे में एक भयावह रिपोर्ट जारी की, जिनकी इस गर्मी की शुरुआत में तालिबान ने क्रूर हत्या कर दी थी। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अफगानिस्तान के नए शासकों पर मानवाधिकारों की घोर अवहेलना और अल्पसंख्यकों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। समूह ने कहा कि मारे गए लोगों में 12 साल का एक बच्चा भी शामिल है। उसने कहा कि ये हत्याएं 26 जून को घौर प्रांत में हुईं, जो इस बात का सबूत है कि कैसे तालिबान एक साल पहले सत्ता पर कब्जा करने के बाद से एक समावेशी सरकार स्थापित करने में विफल रहा है। एमनेस्टी के अनुसार, 26 जून की रात को तालिबान बलों ने घौर में एक हजारा समुदाय और एक पूर्व सुरक्षा अधिकारी मोहम्मद मुरादी के घर पर हमला किया। मुरादी ने एक स्थानीय मिलिशिया का भी नेतृत्व किया था जिसने 2020 और 2021 में तालिबान से लड़ाई लड़ी थी। तालिबान के कब्जा करने के बाद, मुरादी ने ईरान भागने का प्रयास किया था, लेकिन वह असफल रहा और हाल में घौर में लाल-वा सरजंगल जिले में घर लौट आया जहां वह छिपा हुआ था। एमनेस्टी की रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा गया है कि तालिबान का हमला रात में शुरू हुआ, जिसमें मुरादी के घर पर रॉकेट संचालित हथगोले फेंके गए, जिसमें उनकी 22 वर्षीय बेटी ताज गुल मुरादी की तुरंत मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार मुरादी खुद और दो अन्य बच्चे, एक बेटा और एक बेटी (12) शुरू में घायल हो गए थे और इसके बाद बेटी की मौत हो गई थी।

इसके अनुसार घायल मुरादी ने तालिबान के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था, लेकिन उसे घर से बाहर खींच कर मार डाला गया। एमनेस्टी ने कहा कि तीन अन्य लोग - मुरादी के भतीजे, गुलाम हैदर मोहम्मदी, और दो अन्य रिश्तेदार भी मारे गए थे। एमनेस्टी ने कहा कि उसकी रिपोर्ट आठ अलग-अलग साक्षात्कारों और हत्याओं के बाद ली गई तस्वीरों और वीडियो फुटेज के विश्लेषण पर आधारित है। एमनेस्टी के महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा, ''तालिबान को ये हत्याएं बंद कर सभी अफगानों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।' एमनेस्टी की रिपोर्ट पर तालिबान से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

कैट ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, प्रधानमंत्री मोदी को भारत रत्न देने का किया आग्रह

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत रत्न देने का आग्रह किया है। कारोबारी संगठन ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि वर्ष 2014 से जिस कुशलता, विशिष्ट प्रबंधन एवं अटूट लग्न एवं कर्मशीलता से देश का नेतृत्व करते हुए मोदी ने विश्वभर में भारत को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है, वह देश और दुनियाभर में एक मिसाल है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि एवं सतत प्रयासों से आज विश्व के देशों में भारत ने अग्रिम पंक्ति में अपना विशिष्ट एवं गौरवशाली स्थान बनाया है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया जाए। खंडेलवाल ने कहा कि कोरोना महामारी के भीषण काल में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में भी धीरज और साहस से भारत को चिकित्सा सुविधा सम्पन्न बनाना तथा देशभर के नागरिकों को कोरोना संक्रमण काल से निकालने के लिए प्रधानमंत्री की क्षमता की विश्वभर में सराहना की गई। उन्होंने कहा कि अंत्योदय से आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत, स्टार्ट अप इंडिया, उज्ज्वला योजना आदि अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने देश में एक नई एवं सार्थक क्रांति की शुरूआत की है, जिससे देश का आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक विकास बहुत बेहतर हुआ है।

मोदी और पुतिन ने 50 मिनट बात की: पीएम बोले- आज का युग युद्ध का नहीं, रूसी राष्ट्रपति ने कहा- हम चाहते हैं कि यूक्रेन से जंग जल्द खत्म हो

समरकंद । उज्बेकिस्तान के समरकंद में स्थह्व की मीटिंग से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की मुलाकात हुई। दोनों के बीच करीब 50 मिनट बातचीत हुई। इस दौरान मोदी ने कहा, 'आज भी दुनिया और खासकर विकासशील देशों के सामने फूड सिक्योरिटी, फ्यूल सिक्योरिटी और उर्वरक जैसी बड़ी समस्याएं हैं। हमें इनके लिए रास्ते निकालने होंगे। आपको भी इन्हें लेकर पहल करनी होगी।' रात 1.30 बजे मोदी समरकंद से वापस नई दिल्ली लौट आए।

पुतिन से मोदी ने कहा- मैं आपका और यूक्रेन का आभार व्यक्त करना चाहूंगा कि संकट के काल में शुरू में जब हमारे हजारों छात्र यूक्रेन में फंसे थे। आपकी और यूक्रेन की मदद से हम उन्हें निकाल पाए। मोदी ने कहा कि आज का युग जंग का नहीं है। हमने फोन पर कई बार इस बारे में बात भी की है कि लोकतंत्र कूटनीति और संवाद से चलता है।

मोदी ने कहा कि हम पिछले कई दशकों से हर पल एक-दूसरे के साथ रहे हैं। आज स्थह्व समिट में आपने भारत के लिए जो भावनाएं व्यक्त की हैं, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

पुतिन ने कहा- यूक्रेन पर आपकी चिंताओं से वाकिफ

पुतिन ने मोदी से कहा, 'मैं यूक्रेन से जंग पर आपकी स्थिति और आपकी चिंताओं से वाकिफ हूं। हम चाहते हैं कि यह सब जल्द से जल्द खत्म हो। हम आपको वहां क्या हो रहा है, इसकी जानकारी देते रहेंगे।' उन्होंने कहा कि भारत की तरफ से की गई फर्टिलाइजर की मांग को हम पूरा करेंगे। ऊर्जा के क्षेत्र में हम मदद करेंगे। भारत-रूस को वीजा फ्री टूरिज्म पर विचार करना चाहिए।

पुतिन ने मोदी से कहा- एडवांस में हैप्पी बर्थडे विश नहीं करूंगा

पुतिन ने मोदी से कहा, 'उन्हें पता है कि भारतीय प्रधानमंत्री अपना जन्मदिन मनाएंगे, लेकिन यह रूसी परंपरा नहीं है कि पहले से ही जन्मदिन की बधाई दी जाए। इसलिए मैं आपको विश नहीं कर सकता है। मैं मित्र देश भारत को शुभकामनाएं देता हूं।' दरअसल, 17 सितंबर को मोदी का जन्मदिन है।

SCO की मीटिंग में मोदी बोले- दुनिया ऊर्जा और खाद्य संकट का सामना कर रही

इन मुलाकातों से पहले PM मोदी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन यानी स्थह्व की मीटिंग में शामिल हुए।

इसमें SCO में सुधार और विस्तार, रीजनल सिक्योरिटी, सहयोग, कनेक्टिविटी मजबूत करने और व्यापार को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। इसके बाद मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।